■ भाद्रपद कृष्णा - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 29 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 21-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 डॉक्टर या इंजीनियर बनना जरूरी नहीं, खेलों से भी बन सकती अच्छी जिंदगी : मनु भाकर

6 सस्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

7 प्रधानमंत्री की आगामी यूक्रेन यात्रा एक अच्छा संकेत : शशि थरूर

फर्स्ट टेक

जबलपुर संभाग में लोहे की छड़ से टकराई ट्रेन, आरपीएफ ने जांच शुरू की

जबलपुर/भाषा। मध्य प्रदेश के जबलपुर संभाग के अंतर्गत एक रेलवे स्टेशन के पास एक ट्रेन लोहे की छड़ से टकरा गई, जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने घटना की जांच शुरू कर दी है। रेलवे के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हर्षित श्रीवास्तव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अधिकारियों को 18 अगस्त की रात करीब 10 बजे कछपुरा रेलवे स्टेशन (जबलपुर जिला) के पास नैनपुर-जबलपुर ट्रेन (05706) के लोहे की छड़ से टकराने की सूचना मिली। उन्होंने कहा कि जबलपुर आरपीएफ ने इस घटना के सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या यह गड़बड़ी फैलाने की हरकत थी अथवा किसी ने अपना सामान वहां छोड़ा था। उन्होंने कहा कि आरपीएफ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर संभाग के साथ मिलकर घटना की जांच कर रही है।

महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश से यूएई स्थानांतरित : आईसीसी

दुबई/भाषा। आईसीसी ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में व्याप्त अशांति के कारण महिला टी20 विश्व कप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित किया जाएगा। इस विश्व कप को तीन से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में आयोजित किया जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ''बांग्लादेश के लिए महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी नहीं करना निराशाजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एक यादगार आयोजन की तैयारी की थी।''

पूर्वी सिक्किम में भारी भूस्खलन, तीस्ता परियोजना हुई प्रभावित

गंगटोक/भाषा। पूर्वी सिक्किम में मंगलवार को भारी भूस्खलन हुआ जिसके कारण तीस्ता नदी पर स्थित 510 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार भूस्खलन सुबह करीब सात बजे सिंगताम के पास दीपू दारा में हुआ। उन्होंने कहा कि भूस्खलन से एनएचपीसी की तीस्ता चरण-पांच पनबिजली परियोजना के बिजलीघर को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन से लगभग 17-18 घर भी क्षतिग्रस्त हो गए, जिसके बाद प्रभावित परिवारों को एनएचपीसी के आवासों में स्थानांतरित कर दिया गया।

21-08-2024	22-08-2024
सूर्यास्त 6:37 बजे	सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
80,802.86	24,698.85
(+378.18)	(+126.20)

सोना	चांदी
7,374 रु.	85,767 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समानता सूत्र

हम जाति पूछना बंद करें,
ना पूछे धर्म वर्ग आधार।
मिट जाएगा भेद स्वत: ही,
होंगे सम सबके व्यवहार।
आरक्षण उनको देवें,
जो हैं लाचार दीन बीमार।
जिनको इसका लाभ मिल गया,
छोड़ें परहित में अधिकार।।

कोलकाता प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या मामले में उच्चतम न्यायालय ने किया

चिकित्सकों की सुरक्षा पर राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने के लिए 10 सदस्यीय कार्यबल गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा तथा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रोटोकॉल विकसित करने के वास्ते 10 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) गठित किया।

कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की घटना के बाद देशभर में प्रदर्शनों के बीच न्यायालय ने चिकित्सकों की सुरक्षा और कुशलक्षेम को राष्ट्रीय हित का मामला बताया।

इस घटना को भयावह बताते हुए न्यायालय ने प्राथमिकी दर्ज करने में देरी करने और हजारों उपद्रवियों को सरकारी सुविधा में तोड़फोड़ करने की अनुमति देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की।

न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर राज्य की शक्ति का इस्तेमाल न करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर भावनाओं के उबाल के इस क्षण में उनके साथ अत्यंत संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करने को कहा।

वाइस एडमिरल आरती सरीन की अध्यक्षता वाले 10 सदस्यीय कार्यबल को तीन सप्ताह के भीतर अपनी अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को हत्या की जांच में हुई प्रगति पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, साथ ही राज्य सरकार से भी कहा कि वह उपद्रवियों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

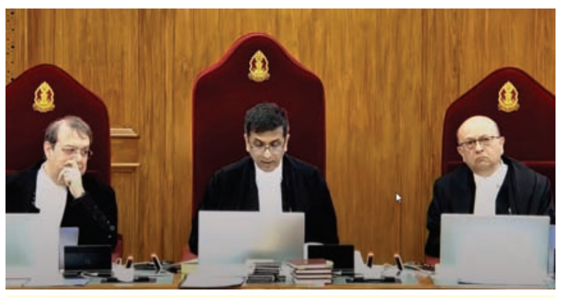

■ **इस घटना को भयावह बताते हुए न्यायालय ने प्राथमिकी दर्ज करने में देरी करने और हजारों उपद्रवियों को सरकारी सुविधा में तोड़फोड़ करने की अनुमति देने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना की।**

■ **शीर्ष अदालत ने डॉक्टरों को काम पर लौटने में सक्षम बनाने के लिए अस्पताल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती का आदेश दिया।**

अदालत ने पीड़िता का नाम, उसकी तस्वीरें और उसके मृत शरीर को दिखाने वाले वीडियो क्लिप के मीडिया में प्रसारित होने पर भी गहरी चिंता व्यक्त की।

अस्पताल में भीड़ की हिंसा और कोलकाता पुलिस के घटनास्थल से भाग जाने के आरोप को गंभीरता से लेते हुए, शीर्ष अदालत ने डॉक्टरों को काम पर लौटने में सक्षम बनाने के लिए अस्पताल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती का आदेश दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा, इस निर्मम घटना और उसके बाद हुए प्रदर्शनों के मद्देनजर, राज्य सरकार से यह अपेक्षा की गई थी कि वह कानून-व्यवस्था के उल्लंघन को रोकने के लिए राज्य मशीनरी की तैनाती सुनिश्चित करेगी।

न्यायालय ने कहा, ऐसा करना और भी आवश्यक था क्योंकि अस्पताल परिसर में घटित अपराध की जांच चल रही थी। हम यह समझ पाने में असमर्थ हैं कि राज्य सरकार अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की घटना से निपटने के लिए कैसे तैयार नहीं थी।

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने मामले को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया तथा मृतका के माता-पिता को कई घंटों तक उसका शव नहीं देखने दिया।

न्यायालय ने पीड़िता का नाम, तस्वीर, वीडियो हटाने का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की उस प्रशिक्षु डॉक्टर का नाम, फोटो और वीडियो मंगलवार को सभी सोशल मीडिया मंच से हटाने का आदेश दिया, जिसकी बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यौन उत्पीड़न की पीड़िता की पहचान का खुलासा निपुण सक्सेना मामले में पारित उसके आदेश का उल्लंघन है। पीठ ने कहा, ''पीड़िता के शव की तस्वीरों और वीडियो क्लिप का सोशल मीडिया पर प्रसार हो रहा है... हम निर्देश देते हैं कि पीडिता का नाम, फोटो और वीडियो क्लिप को सभी सोशल मीडिया मंच से तुरंत हटाया जाए।''

न्यायालय ने चिकित्सकों से की अपील

कृपया हम पर विश्वास करें, काम पर लौटें

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता की एक डॉक्टर से बलात्कार व हत्या की घटना को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों से हड़ताल वापस लेने और काम पर लौटने की अपील करते हुए मंगलवार को कहा कि ''कृपया हम पर विश्वास करें।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि चिकित्सकों के काम से दूर रहने से समाज के उन वर्गों पर असर पड़ता है जिन्हें चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत है। न्यायालय ने कहा, ''हम सभी चिकित्सकों से अपील करते हैं कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए यहां हैं कि उनकी सुरक्षा और संरक्षण सर्वोच्च राष्ट्रीय चिंता का विषय है। कृपया हम पर विश्वास करें, इसलिए हमने इस मामले को उच्च न्यायालय पर नहीं छोड़ा है।'' प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा, ''हमारा मानना है कि यह न केवल गंभीर अपराध का मामला है, बल्कि यह देशभर में स्वास्थ्य सेवा संस्थान को प्रभावित करता है। इसलिए इस मामले पर उच्चतम न्यायालय द्वारा विचार किए जाने की आवश्यकता है।''

जम्मू कश्मीर में पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी। यहां पहले चरण में 24 सीटों पर 18 सितंबर को मतदान होगा। अधिसूचना जारी होने के साथ ही प्रत्याशियों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 27 अगस्त है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 28 अगस्त को होगी।

नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अगस्त और मतदान की तिथि 18 सितंबर है। पहले चरण में दक्षिण कश्मीर के 16 विधानसभा क्षेत्रों और जम्मू क्षेत्र के आठ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा।

जिन विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव होने हैं उनमें कश्मीर घाटी में पंपोर, त्राल, पुलवामा, राजपोरा, जैनापोरा, शोपियां, डी. एच. पोरा, कुलगाम, देवसर, दूरू, कोकेरनाग (अजजा), अनंतनाग पश्चिम, अनंतनाग, श्रीगुफवारा-बिजबहेड़ा, शंगस-अनंतनाग पूर्व और पहलगाम शामिल हैं। जम्मू क्षेत्र के इंदरवाल, किश्तवाड़, पड्डेर-नागसेनी, भद्रवाह, डोडा, डोडा पश्चिम, रामबन और बनिहाल में चुनाव होंगे।

एमपॉक्स टीका विकसित करने पर काम कर रहे हैं : सीरम इंस्टीट्यूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने मंगलवार को कहा कि वह वर्तमान में एमपॉक्स के लिए टीका विकसित करने पर काम कर रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम एक वर्ष में मिलने की उम्मीद है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 14 अगस्त को एमपॉक्स प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया। यह कदम अफ्रीका के कुछ हिस्सों में मामलों में अचानक वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद उठाया गया।

भारत में 2022 से अब तक एमपॉक्स के करीब 30 मामले सामने आए हैं। देश में सबसे हालिया मामला मार्च 2024 में सामने आया था।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने एक बयान में कहा, एमपॉक्स प्रकोप के कारण घोषित वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल के मद्देनजर, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इस बीमारी के लिए एक टीका विकसित करने पर काम कर रहा है, ताकि लाखों लोगों के जीवन को बचाया जा सके।'' उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि मौजूदा प्रगति के साथ, पुणे स्थित कंपनी के पास एक साल के भीतर साझा करने के लिए अधिक अद्यतन और सकारात्मक सूचना होगी।

बदलापुर प्रदर्शन :

12 ट्रेनों का मार्ग बदला गया

रेलवे ने फंसे यात्रियों के लिए बसों की व्यवस्था की

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक स्कूल में दो बच्चियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर मंगलवार को बदलापुर स्टेशन पर रेल रोको प्रदर्शन की वजह से लंबी दूरी की 12 ट्रेन के मार्ग में बदलाव किया गया है। जबकि अधिकारियों ने फंसे हुए यात्रियों के लिए बसों की व्यवस्था की है।

लगभग 30 उपनगरीय रेलगाड़ियां आंशिक रूप से रद्द कर दी गईं तथा रेलवे ने राज्य और नगर परिवहन निकायों से अतिरिक्त बसें चलाने के लिए संपर्क किया है। कई महिलाओं समेत प्रदर्शनकारियों के रेल की पटरियों पर आने और यातायात अवरुद्ध करने के कारण अंबरनाथ और कर्जत स्टेशन के बीच लोकल ट्रेन सेवाएं सुबह 10:10 बजे से निलंबित कर दी गईं।

पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और प्रदर्शनकारियों ने उस स्कूल में तोड़फोड़ की, जहां पिछले सप्ताह कथित घटना हुई थी। उन्होंने बदलापुर रेलवे स्टेशन पर भी पथराव किया।

अजमेर ब्लैकमेल कांड में छह दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

जयपुर/भाषा। अजमेर की एक विशेष अदालत ने 1992 के बहुचर्चित ब्लैकमेल व यौन शोषण कांड में छह शेष और आरोपियों को दोषी मानते हुए उन्हें मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषियों पर पांच-पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इस बहुचर्चित कांड में अजमेर शहर की 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया था। अभियोजन पक्ष के वकील वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की सुनवाई पॉक्सो अदालत में हो रही थी। न्यायाधीश रंजन सिंह ने छह आरोपियों को अपराध में शामिल होने का दोषी ठहराया और फैसला सुनाया। साल 1992 के इस कुख्यात मामले में आठ दोषियों को 1998 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी, एक को 2007 में यही सजा दी गई थी और छह को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सिंह ने बताया कि एक आरोपी ने 1994 में आत्महत्या कर ली थी और एक आरोपी अब भी फरार है।

भारत, मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों पर गहन बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने मंगलवार को फैसला किया कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को समग्र रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाएंगे।

दोनों देशों ने कम से कम आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की भर्ती को बढ़ावा देने तथा उनके हितों की सुरक्षा से संबंधित समझौता है।

इब्राहिम तीन दिवसीय भारत दौरे के तहत सोमवार रात दिल्ली पहुंचे। यह बतौर प्रधानमंत्री उनका पहला भारत दौरा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया के लिए जारी बयान में कहा, ''हमने भारत-मलेशिया साझेदारी को समग्र रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है।''

■ **दोनों देशों ने कम से कम आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की भर्ती को बढ़ावा देने तथा उनके हितों की सुरक्षा से संबंधित समझौता है।**

प्रधानमंत्री ने कहा कि कामगारों के रोजगार पर समझौते से भारतीयों की भर्ती को बढ़ावा मिलेगा तथा उनके हितों की सुरक्षा भी होगी।

भारत-मलेशिया आर्थिक संबंधों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार रुपए और मलेशियाई मुद्रा रिंगित में किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि आर्थिक सहयोग में अब भी काफी संभावनाएं हैं। द्विपक्षीय व्यापार और निवेश का विस्तार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमें सेमीकंडक्टर, फिनटेक, रक्षा उद्योग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और क्वांटम जैसे नए तकनीकी क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए। हमने भारत और मलेशिया के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की समीक्षा में तेजी लाने पर जोर दिया है।''

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को मलेशिया के पेनेट से जोड़ने के लिए काम किया जाएगा। मोदी ने कहा कि आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने को लेकर दोनों देशों का दृष्टिकोण समान है।

मोदी ने मलेशिया को दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन 'आसियान' और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया। उन्होंने कहा, ''हमने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और आसियान के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा समय पर पूरी होनी चाहिए।''

चंद्रयान चार-पांच का डिजाइन पूरा, पांच वर्षों में 70 उपग्रह प्रक्षेपित करने की संभावना : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले चरण के चंद्र मिशन – चंद्रयान 4 और 5 के लिए डिजाइन पूरा कर लिया है और इस सिलसिले में सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की सतह पर सहजता से उपकरण उतारने के बाद पृथ्वी के इस उपग्रह की चट्टानों और मिट्टी को धरती पर लाना, चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपित करना, चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करना और नमूनों को वापस लाना शामिल है।

सोमनाथ ने यहां अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और इंडियन स्पेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पास चांद पर जाने के लिए कई मिशन हैं। चंद्रयान-3 मिशन पूरा हो चुका है। अब चंद्रयान 4 और 5 का डिजाइन तैयार हो चुका है और हम सरकार से मंजूरी मांग रहे हैं।''

इससे पहले, इसरो के अधिकारियों ने कहा था कि चंद्रयान-4 मिशन का लक्षित प्रक्षेपण वर्ष 2028 है।

सोमनाथ ने यह भी कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी अगले पांच वर्षों में 70 उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजना बना रही है, जिसमें सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा के लिए उपग्रहों का एक समूह भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन 70 उपग्रहों में 'नाविक' क्षेत्रीय दिशा सूचक प्रणाली के लिए चार उपग्रह शामिल हैं जो अवस्थिति निर्धारण, दिशा सूचना सेवा प्रदान करेंगे।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि मंगलवार को 27 अगस्त तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर, उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत के समक्ष पेश किए जाने के बाद उनकी हिरासत अवधि 27 अगस्त तक बढ़ा दी।

रूस के हमले से यूक्रेन के तेल भंडारण डिपो में लगी आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एजेन्सी। यूक्रेन के पश्चिमी टेरनोपिल क्षेत्र में मंगलवार तड़के रूसी लक्षित हवाई हमलों से ईंधन और लुब्रिकेट (स्नेहक) तेल भंडारण डिपो में आग लग गयी। क्षेत्रीय अधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है।

टेरनोपिल क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के मुताबिक रूसी सेना ने स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजे टेरनोपिल शहर के तेल भंडारण डिपो पर प्रक्षेप्य दागे गये। उन्होंने बताया गया कि आग पर काबू पाने के लिए 90 से अधिक बचाव दल और दो अग्निशमन गाड़ियों सहित 20 से अधिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। स्थानीय अधिकारियों ने हालांकि लोगों से अपने घरों के अंदर रहने और खिड़कियां बंद करने का आग्रह किया । कीव शहर के सैन्य प्रशासन ने कहा कि रूस ने राजधानी में भी रात भर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमले किये। हालांकि हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शहर के बाहरी इलाके में सभी हवाई लक्ष्यों को आसमान में ही ध्वस्त कर दिया गया।

लेटरल एंट्री: विपक्ष ने सरकार को आरक्षण विरोधी बताया, सरकार बोली- आरक्षण का सिद्धांत लागू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने 'लेटरल एंट्री' के विषय पर अपने कदम पीछे खींचने के बाद मंगलवार को सरकार हमला बोला और दावा किया कि विपक्ष के विरोध के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को संबंधित विज्ञापन निरस्त करना पड़ा है, लेकिन असल में वह आरक्षण की विरोधी है।

दूसरी तरफ, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए 'लेटरल एंट्री' के जरिये नियुक्ति में आरक्षण के सिद्धांत को लागू करने का फैसला किया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को केंद्र के निर्देश के बाद नौकरशाही में 'लेटरल एंट्री' भर्ती के लिए जारी अपना नवीनतम विज्ञापन रद्द कर दिया।

यूपीएससी ने 17 अगस्त को 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से 45 संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संविधान जयते। हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमजार वर्गों के सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की लड़ाई ने आरक्षण छीनने के भाजपा के मंसूबों पर पानी फेरा है। लेटरल एंट्री पर मोदी सरकार की चिट्ठी ये दर्शाती है कि तानाशाही सत्ता के अहंकार को संविधान की ताकत ही हरा सकती है।'' उन्होंने दावा किया, ''राहुल गांधी, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों की मुहिम से सरकार एक कदम पीछे हटी है, पर जब तक भाजपा–आरएसएस सत्ता में है, वो आरक्षण छीनने के नए–नए हथकंडे अपनाती रहेगी। हम सबको सावधान रहना होगा।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वह संविधान और आरक्षण व्यवस्था की हर कीमत पर रक्षा करेंगे तथा भाजपा की 'लेटरल एंट्री' जैसी ''साजिशों'' को हर हाल में नाकाम करके दिखाएंगे। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संविधान और आरक्षण व्यवस्था की हम हर कीमत पर रक्षा करेंगे। भाजपा की 'लेटरल एंट्री' जैसी साजिशों को हम हर हाल में नाकाम कर के दिखाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर कह रहा हूं – 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को तोड़ कर हम जातिगत गिनती के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे। जय हिन्द।''

'लेटरल एंट्री' संबंधी विज्ञापन निरस्त किए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण निर्णय से एक बार फिर बी आर आंबेडकर की संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। उन्होंने कहा, ''यूपीएससी ने लेटरल एंट्री के लिए बहुत पारदर्शी तरीका अपनाया। अब हमने उसमें भी आरक्षण का सिद्धांत लागू करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।'' उनका यह भी कहना था, ''हमने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया, जो पहले एक साधारण निकाय था। चाहे वह, मेडिकल में प्रवेश के लिए नीट हो, सैनिक स्कूल या नवोदय विद्यालय हो, हमने हर जगह आरक्षण के सिद्धांत को लागू किया है।'' वैष्णव ने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आंबेडकर के पंचतीर्थ को गौरवपूर्ण स्थान बनाया।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न

शिंदे ने मामले में दुष्कर्म के प्रयास का आरोप दर्ज करने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुलिस को ठाणे जिले के बदलापुर कस्बा स्थित एक स्कूल में दो छात्राओं के साथ हुए कथित यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास का आरोप दर्ज करने का निर्देश दिया है।

शिंदे ने मंगलवार को कहा कि मामले की त्वरित सुनवाई की जाएगी और एक विशेष सरकारी वकील नियुक्त किया जाएगा।

घटना के बाद, अभिभावकों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया है, जिसने मंगलवार को हिंसक रूप ले लिया। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने स्कूल में तोड़फोड़ की। वे बदलापुर स्टेशन पर पटरियों पर उतर आए और लोकल ट्रेनों का परिचालन अवरुद्ध कर दिया। सुबह करीब 8.30 बजे उपनगरीय ट्रेनों का मार्ग अवरुद्ध हो गया। उन्होंने रेलवे स्टेशन पर पथराव भी किया।

इस बीच, शिंदे ने कहा, ''मैंने ठाणे के पुलिस आयुक्त से बात की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मैंने मामले की त्वरित सुनवाई करने और आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने को कहा है।'' वहीं, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी पर सवाल उठाया है। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने घटना पर अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए एक टीम भेजी जाएगी। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पीड़िता के माता–पिता को 12 घंटे तक इंतजार क्यों कराया।

कानूनगो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से जांच की निगरानी करूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि लापरवाही बरतने वाले सभी पुलिस अधिकारियों को दंडित किया जाए।'' मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि मुख्यमंत्री शिंदे ने चेतावनी दी है कि यदि स्कूल प्रबंधन की लापरवाही या मिलीभगत पाई गई तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शिंदे ने प्रदर्शन कर रहे अभिभावकों से संयम बरतने की अपील की, क्योंकि रेल रोके जाने से लोकल ट्रेनों का परिचालन अवरुद्ध हो रहा है। पुलिस ने 17 अगस्त को स्कूल के एक अटेंडेंट को तीन और चार साल की दो छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर गिरफ्तार किया था। पुलिस में दी गई शिकायत के अनुसार, उसने स्कूल के शौचालय में बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया था। स्कूल प्रबंधन ने घटना को लेकर प्राचार्य, एक क्लास टीचर और एक महिला अटेंडेंट को निलंबित कर दिया है। शिंदे ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और उनसे निपटने के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। सीएमओ के अनुसार, मुख्यमंत्री ने ठाणे पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वह इस मामले को पूरी तत्परता के साथ देखें। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने इस बात की पुष्टि करने के लिए समीक्षा करने का आह्वान किया है कि क्या स्कूलों में सखी सावित्री समितियां स्थापित की गई हैं, जो छात्रों की सहायता और सुरक्षा के लिए बनाई गई हैं। शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर के साथ बैठक के दौरान शिंदे ने स्कूलों की सुरक्षा में सुधार लाने और भविष्य में यौन उत्पीड़न की घटनाएं रोकने के उद्देश्य से कई उपायों का प्रस्ताव रखा, जैसे कि प्रत्येक स्कूल में शिकायत पेटी लगाना, कर्मचारियों की पृष्ठभूमि की जांच सहित छात्रों के साथ अक्सर बातचीत करने वाले स्कूल कर्मचारियों की जांच बढ़ाना और छात्रों के लिए सुरक्षित रिपोर्टिंग तंत्र स्थापित करना।

बदलापुर घटना की जांच महिला आईपीएस अधिकारी करेंगी: फडणवीस

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि ठाणे जिले के बदलापुर में दो स्कूली लड़कियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना की एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में जांच के आदेश दिए गए हैं। यहां पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने जांच के लिए महानिरीक्षक स्तर की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी आरती सिंह को नियुक्त किया है।

उन्होंने कहा, हमारा प्रयास इस घटना की जल्द से जल्द जांच करना होगा। हम इस मामले में जल्द से जल्द आरोपपत्र दाखिल करना चाहते हैं और मामले को सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक अदालत में ले जाना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हमारा पुलिस विभाग इस तरह के बर्बर और अमानवीय कृत्य के लिए तुरंत सजा दिलाने का पूरा प्रयास करेगा। उन्होंने इस मुद्दे का कथित रूप से राजनीतिकरण करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की आलोचना की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष ऐसी घटनाओं से राजनीतिक लाभ लेना चाहता है। विपक्ष में किसी भी प्रकार की सहानुभूति नहीं है। विपक्ष की राजनीति सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि ठाकरे को एक राजनेता की तरह व्यवहार करना चाहिए और इतना नीचे नहीं गिरना चाहिए तथा यौन शोषण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

देश के जलाशयों का भंडारण स्तर 10 साल के औसत से 14 प्रतिशत अधिक: सीडब्ल्यूसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट में बताया गया कि इस वर्ष देश के जलाशयों के भंडारण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है जिसके तहत वर्तमान में भंडारण स्तर दस साल के औसत से 14 प्रतिशत अधिक है।

जलाशय भंडारण के संबंध में जारी हालिया बुलेटिन के अनुसार देशभर के 150 प्रमुख जलाशयों का भंडारण स्तर 124.016 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है, जो इन जलाशयों की कुल क्षमता का 69 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी अवधि में भंडारण स्तर 111.85 बीसीएम था यानी इस वर्ष काफी अच्छी वृद्धि देखी गई है।

जलाशयों का मौजूदा भंडारण स्तर दस साल के औसत से भी अधिक है। दस साल के औसत स्तर को 'सामान्य भंडारण' माना जाता है जो 108.79 बीसीएम था।

अगर क्षेत्रवार देखें तो देश के विभिन्न हिस्सों में भंडारण स्तर अलग–अलग है। उत्तरी क्षेत्र में भंडारण स्तर इस समय, कुल क्षमता का 51 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष के 88 प्रतिशत से कम है और सामान्य भंडारण स्तर 71 प्रतिशत से कम है। उत्तरी क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान आते हैं।

इसके विपरीत, पूर्वी क्षेत्र में सुधार देखा गया है जहां भंडारण स्तर, क्षमता का 53 प्रतिशत है, जो पिछले वर्ष के 38 प्रतिशत से अधिक है और 50 प्रतिशत के सामान्य स्तर से बेहतर है। पूर्वी क्षेत्र में असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नगालैंड और बिहार आते हैं।

गुजरात और महाराष्ट्र सहित पश्चिमी क्षेत्र के जलाशयों में भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई जहां के जलाशय कुल क्षमता के 72 प्रतिशत तक भर गये, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में भंडारण स्तर 68 प्रतिशत था और सामान्य भंडारण स्तर 61 प्रतिशत था।

इसी तरह, मध्य क्षेत्र के जलाशयों में भंडारण स्तर कुछ क्षमता का 72 प्रतिशत है जो पिछले वर्ष के 69 प्रतिशत और सामान्य भंडारण स्तर के 62 प्रतिशत से बेहतर है। मध्य क्षेत्र में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आते हैं।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु वाले दक्षिण क्षेत्र में आंकड़ा सबसे अलग है। इस क्षेत्र के जलाशय अपनी क्षमता के 79 प्रतिशत तक भरे हुए हैं, जो पिछले वर्ष के 53 प्रतिशत और सामान्य भंडारण स्तर 60 प्रतिशत से काफी ऊपर है। सीडब्ल्यूसी के बुलेटिन में बताया गया है कि देश में कुल भंडारण की स्थिति पिछले वर्ष की इसी अवधि और वर्ष के इस समय के सामान्य भंडारण दोनों से बेहतर है।

आंकड़े दिखाते हैं कि जल संसाधनों के प्रबंधन के प्रयासों के परिणामस्वरूप अधिकांश क्षेत्रों में भंडारण स्तर में सुधार हुआ है, हालांकि राजस्थान और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में पिछले वर्ष की तुलना में कम भंडारण दर्ज किया गया।

रॉयल्टी पर फैसले से खनन कंपनियों की लाभ कमाने की क्षमता पर असर: मूडीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

MOODY'S RATINGS

नई दिल्ली/भाषा। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि खनन पर रॉयल्टी के बारे में आया उच्चतम न्यायालय का फैसला टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और वेदांता रिसोर्सेज जैसी खनन कंपनियों के लिए नकारात्मक साबित होगा क्योंकि इससे उनका नकद प्रवाह कम होने के साथ लाभप्रदता प्रभावित होगी।

उच्चतम न्यायालय ने 14 अगस्त को अपने एक आदेश में खनिज समृद्ध राज्यों को यह अनुमति दी कि वे एक अप्रैल, 2005 की तारीख से खनिज अधिकारों एवं खनिज–युक्त भूमि पर रॉयल्टी एवं कर पर बकाया राशि की मांग रख सकते हैं।

मूडीज रेटिंग्स ने इस फैसले के संदर्भ में एक बयान में कहा, ''भारत में खनन परिचालन करने वाली कंपनियों मसलन... टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और वेदांता रिसोर्सेज के लिए पिछली तारीख से कर लगाना साख के लिहाज से नकारात्मक है, क्योंकि किस्तों में भुगतान से उनके नकदी प्रवाह पर असर पड़ेगा।''

रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''इन कंपनियों को आगे चलकर राज्य करों का भुगतान करना होगा, जिससे उनकी लाभ कमाने की क्षमता प्रभावित होगी।''

मूडीज रेटिंग्स ने कहा, ''हालांकि, कंपनियों को बकाया करों का भुगतान एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले 12 वर्षों में किस्तों में करना होगा। लेकिन ग्राहकों पर इस ऊंची लागत का बोझ डालने की कंपनियों की क्षमता उनकी लाभ कमाने की क्षमता को कम कर सकती है।''

रेटिंग एजेंसी का मानना है कि नए करों के साथ नकदी प्रवाह में कमी आने से खनन कंपनियों को अपनी पूंजीगत व्यय योजनाएं नए सिरे से समायोजित करनी पड़ सकती हैं।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकवादियों के भूमिगत ठिकाने का पता चला

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को आतंकवादियों के एक भूमिगत ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक सीमावर्ती जिले के दरहाल क्षेत्र के सागरवत जंगल में पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त दल द्वारा घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान इस छिपे हुए ठिकाने का पता चला। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के इस ठिकाने से बड़ी मात्रा में खाना पकाने की गैस, कंबल और बर्तन सहित दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया क्योंकि तलाशी अभियान शुरू होने से पहले ही ठिकाने का इस्तेमाल कर रहे आतंकवादी भागने में सफल रहे।

सेबी प्रमुख पर आरोप करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा गंभीर मामला: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े हालिया विवाद की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि सेबी अध्यक्ष के हितों का गंभीर टकराव सामने आने से यह करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा एक गंभीर मामला बन जाता है। हाल ही में अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग रिसर्च ने सेबी प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ हितों के टकराव का आरोप लगाया था। माधवी ने आरोपों को बेबुनियाद बताया था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हाल ही में जारी आंकड़ों से पता चलता है कि यूनिक पैन के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का यूनिक पंजीकृत निवेशक आधार 10 करोड़ से अधिक हो गया है। इसका तात्कालिक अर्थ यह निकाला जा सकता है कि वित्तीय बाज़ारों में ईमानदारी और पारदर्शिता बड़ी एवं बढ़ती संख्या में भारतीयों, विशेष रूप से युवाओं के लिए मायने रखती है।'' उन्होंने कहा कि एनएसई के अनुसार, इन निवेशकों की औसत आयु 32 वर्ष है और सभी निवेशकों में से 40 प्रतिशत 30 वर्ष से कम आयु के हैं। रमेश ने कहा, ''वित्तीय बाज़ार इस धारणा पर कार्य करते हैं कि नियामक निष्पक्ष रूप से नियमन करेंगे और कंपनियां नियमों के अनुसार चलेंगी। लेकिन जब सेबी अध्यक्ष के हितों का गंभीर टकराव सामने आता है और वह भी अदाणी समूह द्वारा कथित धनशोधन एवं 'राउंड ट्रिपिंग' की जांच के संबंध में हो, तब यह करोड़ों निवेशकों के विश्वास से जुड़ा एक गंभीर मामला बन जाता है।''

उन्होंने कहा कि विनियामक विफलता और हितों के टकराव भले ही कुछ समय के लिए सामने आएं और चर्चा में बने रहें, लेकिन इससे बाज़ार को लेकर सकारात्मक सोच एवं आत्मविश्वास को दीर्घकालिक नुक़सान हो सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि युवा और निवेशकों की बढ़ती संख्या निश्चित रूप से बेहतर की हक़दार है। उन्होंने दावा किया, ''4 जून, 2024 को मतों की गिनती के बाद 'मोदी–मेड' बाज़ार की अस्थिरता से भी बाज़ार में विश्वास हिला है।

ट्राई ने टेलीमार्केटर पर कसा शिकंजा, संदेश सेवाओं के दुरुपयोग पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मंगलवार को बार–बार कॉल कर परेशान करने वाले टेलीमार्केटर पर अपना रुख सख्त करते हुए दूरसंचार कंपनियों को मैसेजिंग सेवाओं का दुरुपयोग रोकने और उपभोक्ताओं को फर्जीवाड़े से बचाने के लिए विशेष उपाय करने का निर्देश दिया।

दूरसंचार नियामक ने यह कहा कि एक सितंबर से सभी दूरसंचार कंपनियों को यूआरएल, ओटीटी लिंक या उन कॉल बैक नंबर वाले संदेशों के प्रसारण से रोक दिया जाएगा जिन्हें प्रेषकों ने अधिकृत नहीं किया है।

संदेश भेजने वाले की पहचान की क्षमता बढ़ाने के लिए ट्राई ने अनिवार्य किया है कि एक नवंबर से प्रेषक से लेकर प्राप्तकर्ता तक सभी संदेशों के स्रोत का पता लगाया जा सकेगा। इस क्रम में अपरिभाषित या बेमेल टेलीमार्केटर शृंखला वाला कोई भी संदेश अस्वीकार कर दिया जाएगा।

ट्राई का यह कदम इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि नियामक ने दूरसंचार ग्राहकों को प्रचार के लिए कॉल और संदेश भेजने वाले अनधिकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियों पर नकेल कसने की दिशा में पहल की है।

पिछले सप्ताह ट्राई ने दूरसंचार कंपनियों को स्पैम कॉल करने वाले गैर–पंजीकृत टेलीमार्केटर के सभी दूरसंचार संसाधनों का कनेक्शन काटने और दो साल तक के लिए काली सूची में डालने का निर्देश दिया था। अब दूरसंचार नियामक ने संदेश सेवाओं का दुरुपयोग रोकने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी के व्यवहार से बचाने के लिए उपायों को लागू करने के निर्देश जारी किए हैं।

'देह व्यापार गिरोह' चलाने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार से पुलिस ने 'देह व्यापार गिरोह' चलाने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यहां से चार महिलाओं को बचाया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को मीरा भायंदर–वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) ने यह कार्रवाई की। एएचटीसी की इंस्पेक्टर सौरभी पवार ने बताया, एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने विरार में एक घर पर छापा मारा और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। चार अन्य को बचा लिया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

जांच एजेंसियों को केजरीवाल के खिलाफ कुछ नहीं मिला, वह जल्द ही बाहर आएंगे: मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्रीय जांच एजेंसियों को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य नेताओं के खिलाफ कुछ नहीं मिला है। केजरीवाल और 'आप' के नेता कथित आबकारी नीति घोटाले में आरोपों का सामना कर रहे हैं।

नांदेड हवाई अड्डे पर मान ने संवाददाताओं से कहा कि 'आप' नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जेल से रिहा हो चुके हैं और केजरीवाल भी जल्द ही जेल से बाहर आ जाएंगे। मान तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब गुरुद्वारे में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिन में महाराष्ट्र के नांदेड पहुंचे। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को केजरीवाल के खिलाफ कुछ नहीं मिला है जो कथित आबकारी घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं उनके (केजरीवाल) लिए अरदास करूंगा। आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह बाहर आ गए हैं। उनको (जांच एजेंसियों) कुछ नहीं मिला है और वे हमारे नेताओं को जेल में रखने के लिए बार–बार समय ले रहे हैं।'' मान ने दावा किया कि यह 'आप' को तोड़ने की साजिश है। उन्होंने कहा, ''लेकिन अरविंद केजरीवाल एक विचारधारा हैं। आप किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकते हैं, लेकिन किसी विचार को नहीं। केजरीवाल जल्द ही बाहर आएंगे, और मैं उनके लिए अरदास करूंगा।''

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया नौ अगस्त को उच्चतम न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने पर 17 माह जेल में रहने के बाद रिहा हो गए। उन्हें कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धन शोधन मामलों में सीबीआई और ईडी ने गिरफ्तार किया था।

नये कोयला बिजलीघरों से बचने को बैटरी भंडारण लागत में कमी लाने की जरूरत: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में बैटरी भंडारण प्रणाली की लागत में सालाना 15 प्रतिशत की कमी लाने की जरूरत है। इससे देश में नये कोयला बिजलीघर लगाने की योजना टल सकती है और योजना के अनुसार 2032 तक कोयला क्षमता को सीमित किया जा सकता है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

देश में कुल बिजली उत्पादन में कोयला आधारित बिजलीघरों की हिस्सेदारी लगभग 75 प्रतिशत है। हालांकि, 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को कोयले पर अपनी निर्भरता कम करने और सौर तथा पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय–ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ाने की जरूरत है।

रिपोर्ट के अनुसार, समस्या यह है कि सौर और पवन ऊर्जा संयंत्र केवल तभी बिजली पैदा करते हैं जब सूरज की रोशनी हो या हवा चल रही हो। ऐसे में कम उत्पादन के समय इसके उपयोग के लिए ऊर्जा–भंडारण प्रणालियों की आवश्यकता है।

वैश्विक ऊर्जा शोध संस्थान एम्बर और दिल्ली स्थित द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट (टेरी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की लागत में मौजूदा सात प्रतिशत की सालाना दर से गिरावट जारी रहेगी, तो बिजली क्षेत्र में 2032 तक कोयला आधारित उत्पादन ऊंचे स्तर पर जाने के बाद स्थिर हो जाएगा। जबकि गैर–सौर घंटों के दौरान मांग को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कोयला क्षमता की आवश्यकता हो सकती है।

इसका मुख्य कारण यह है कि एक बार बिजली उत्पादन में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, भंडारण में सुस्त वृद्धि निरंतर नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार में बाधा बनेगी। वर्तमान में, भारत के कुल बिजली उत्पादन में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी लगभग सात प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''और अगर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीएसईएस) की लागत में हर साल औसतन 15 प्रतिशत की गिरावट आती है तो यह भारत को 2032 तक अपनी कोयला क्षमता को 260 गीगावाट के अनुमान तक सीमित करने में मददगार होगा जो 14वीं राष्ट्रीय बिजली योजना के अनुसार है।'' इसमें यह भी कहा गया है कि यदि बैटरी की लागत में तेजी से गिरावट आती है, तो बिजली क्षेत्र नवीकरणीय ऊर्जा पर अधिक भरोसा कर सकता है और 2032 तक दिन के दौरान बिजली की 83 प्रतिशत मांग को पूरा कर सकता है। हालांकि, गैर–सौर घंटों के दौरान, नवीकरणीय ऊर्जा केवल 38 प्रतिशत मांग को पूरा कर सकती है। इसका कारण मौजूदा भंडारण सीमाएं हैं।

बेंगलूरु में मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत देवराज अर्स को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

भाजपा मेरे खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा रही : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी उनपर निराधार आरोप लगा रही है,क्योंकि वह हमेशा गरीबों, दलितों और सामाजिक न्याय के पक्षधर रहे हैं। उनकी टिप्पणी राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में जांच और मुकदमा चलाने की अनुमति देने की पृष्ठभूमि में आई है।

पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत देवराज अर्स को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, भाजपा के लिए गरीबों, पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ खड़ा होना असंभव है।

मुख्यमंत्री ने यहां कांग्रेस के राज्य मुख्यालय में कहा, कांग्रेस हमेशा महिलाओं, गरीबों, अल्पसंख्यकों और दलितों की समर्थक रही है। चूंकि, मैं समाज में असमानता के खिलाफ हूं और गरीबों का समर्थक हूं, इसलिए भाजपा मेरे खिलाफ है और वह सब कर रही है, जो नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए वे मेरे खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा चाहती है कि गरीब लोग उसी स्थिति में रहें और सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत न बनें।

सिद्दरामय्या ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा स्थलों के आवंटन में अनियमितताओं से संबंधित आरोपों को 'मनगढंत' करार दिया है। वहीं, भाजपा ने पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

राज्यपाल को केंद्र के नहीं बल्कि राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के तौर पर कार्य करना चाहिए : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत को केंद्र सरकार के नहीं बल्कि भारत के राष्ट्रपति के प्रतिनिधि की तरह काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल को अभियोजन की मंजूरी देने के मामले में ''चयनात्मक'' रवैया नहीं अपनाना चाहिए।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और हम इसका सम्मान करते हैं। हमारा कहना है कि उन्हें केंद्र सरकार के नहीं बल्कि भारत के राष्ट्रपति के प्रतिनिधि की तरह काम करना चाहिए। गहलोत ने 16 अगस्त को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) 'भूखंड आवंटन घोटाले' के संबंध में सिद्दरामय्या के खिलाफ अभियोजन की अनुमति दी थी।

मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि कर्नाटक लोकायुक्त ने श्री साईं वेंकटेश्वर खनिज मामले के संबंध में 23 नवंबर, 2023 को केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी मांगी थी, लेकिन अब तक अनुमति नहीं दी गई है। राज्य लोकपाल ने सोमवार को फिर से राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा, जिसमें कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मांगी गयी है। कुमारस्वामी पर आरोप है कि उन्होंने कानून का उल्लंघन करते हुए तथा 2007 में मुख्यमंत्री रहते हुए निजी फर्म को खनन पट्टा दिया था।

सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि राज्यपाल ने लोकायुक्त को पूर्व भाजपा मंत्रियों – शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी और जी. जनार्दन रेड्डी पर मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा, दूसरी ओर, टी.जे. अब्राहम ने 26 जुलाई को सुबह 11 बजे राज्यपाल के पास मेरे खिलाफ एक (निजी) शिकायत दर्ज कराई और 10 घंटे बाद मुझे कारण बताओ नोटिस दिया गया। क्या यह भेदभाव नहीं है?

शुभारंभ

मंगलवार को कलबुर्गी में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के दौरान 'राजीव गांधी फेलोशिप' कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

कांग्रेस नेता मारग्रेट अल्वा ने मोदी, शाह पर कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मारग्रेट अल्वा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर राज्यपाल थावरचंद गहलोत का इस्तेमाल कर कर्नाटक में पार्टी की सरकार को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। किसी का नाम लिए बिना पूर्व राज्यपाल अल्वा ने कहा, ''गुजरात की जोड़ी एक बार फिर अपने खेल में जुट गई है। भारत के लोगों द्वारा उनकी शक्तियों की सीमित करने के लिए वोट करने (लोकसभा चुनाव में) के बाद भी उन्होंने सबक नहीं सीखा है।''

गहलोत ने 16 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच और भ्रष्टाचार के आरोपों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी।

अल्वा ने कहा, ''विपक्षी सरकारों को अस्थिर करने के लिए दृढ़ संकल्पित लोगों ने अब कर्नाटक और यहां के पिछड़े वर्ग, लोकप्रिय मुख्यमंत्री पर अपनी नजरें गड़ा दी हैं, जो राजभवन में अपने 'सेवक' का इस्तेमाल कर अपना खेल खेल रहे हैं। लेकिन कांग्रेस और उसका नेतृत्व मजबूत है और उसे हिलाया नहीं जा सकता।'' उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के नेतृत्व में सरकार ने 1978 में कर्नाटक में देवराज उर्स सरकार को बर्खास्त कर दिया था और राज्यपाल के 'खेल' के जरिए विधानसभा भंग कर दी थी। उन्होंने कहा, लेकिन उसी राज्यपाल को चुनाव के बाद फिर से उन्हें (उर्स) शपथ दिलानी पड़ी थी।''

अल्वा ने कहा, ''कर्नाटक के लोगों को बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है, हम सिद्दरामय्या के नेतृत्व में लड़ेंगे और जीतेंगे।'' सिद्दरामय्या ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा अपनी पत्नी पार्वती को भूखंड के आवंटन में अनियमितताओं के आरोपों को 'मनगढ़ंत' करार दिया है। उन्होंने सोमवार को उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर कर एमयूडीए मामले में उनके खिलाफ मुकदमे को मंजूरी देने से संबंधित राज्यपाल थावरचंद गहलोत के आदेश को चुनौती दी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि मंजूरी आदेश बिना सोचे–समझे, वैधानिक आदेशों का उल्लंघन करते हुए और मंत्रिपरिषद की सलाह समेत भारत के संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत बाध्यकारी संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत जारी किया गया है। सिद्दरामय्या ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत, पूर्वानुमोदन व मंजूरी देने संबंधी 16 अगस्त के आदेश को चुनौती दी।

सुब्रतो कप के 63वें संस्करण का बेंगलूरु में हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के 63वें संस्करण का बेंगलूरु में आगाज हुआ। दी गई जानकारी के अनुसार, यह 28 अगस्त तक एएफएस जालहल्ली में होगा। यह 19 अगस्त से शुरू हुआ था। बता दें कि सुब्रतो मुखर्जी खेल शिक्षा सोसायटी (एसएमएसईएस) के तत्वावधान में भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित सुब्रतो कप का नाम एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए इस विचार की कल्पना की थी। टूर्नामेंट का पहला संस्करण साल 1960 में आयोजित किया गया था।

टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण स्पोर्ट्स कास्ट इंडिया और खेलनाऊ यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अंश प्रसार भारती और एआईएफएफ के यूट्यूब चैनलों पर भी देखे जा सकते हैं। देश के अन्य भागों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का विस्तार करते हुए वायुसेना ने 01 अक्टूबर, 2023 से 10 अक्टूबर, 2023 तक पहली बार बेंगलूरु में इस खेल आयोजन के 62वें संस्करण का आयोजन किया था। शानदार सफलता और लोकप्रियता के कारण, भारतीय वायुसेना ने सब जूनियर बालक वर्ग में इस मेगा इवेंट के 63वें संस्करण की मेजबानी के लिए बेंगलूरु को चुना है। मैच मुख्यालय प्रशिक्षण कमान, एएससी सेंटर (दक्षिण), वायुसेना स्टेशन येलहंका और वायुसेना स्टेशन जलाहल्ली में खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट में तीन विदेशी टीमों सहित देश के विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 38 टीमें भाग ले रही हैं। बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका की टीमें इसमें भागीदारी करेंगी। 19 अगस्त से 28 अगस्त तक कुल 71 फुटबॉल मैच खेले जाएंगे, जबकि फाइनल मैच 28 अगस्त को एएससी सेंटर (दक्षिण), बेंगलूरु में खेला जाएगा।

आशीर्वाद

बेंगलूरु में मंगलवार को कागिनेले गुरुपीठ के प्रमुख श्री निरंजनानंद पुरी स्वामीजी से पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

निरीक्षण

बेंगलूरु स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में लगाई गई सम्पत्ति परेड का निरीक्षण करते हुए पुलिस आयुक्त बी. दयानंद। बेलन्दूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से 72 नए मोबाइल फोन जब्त किए हैं। यह लोग ऑनलाइन बुक करने वालों की डिलेवरी का काम करते हैं और जैसे ही फोन उन्हें डिलेवरी के लिए मिलता है तो यह कम्पनी को बिना बताए फोन की डिलेवरी कैंसल कर फोन को पार्टी को दे दिया बता कर रख लेते थे। कई जगह मोटर साइकिल पर फोन छीनकर भी भाग जाते थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर मोबाइल जब्त किए हैं।

नीलगिरी जिले में बाघ मृत पाए गए

उधगमंडलम। नीलगिरी जिले के गुडालुर के निकट एक परिसर में एक बाघिन और उसका शावक रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके शव एक दूसरे से कुछ दूरी पर पाए गए और उनके शरीर पर 'रक्तस्राव' के निशान' थे। अधिकारी ने कहा, सूचना मिलने पर वन विभाग की एक टीम परिसर के रास्ते पर पहुंची तो वहां एक कम उम्र का बाघ मृत पाया।

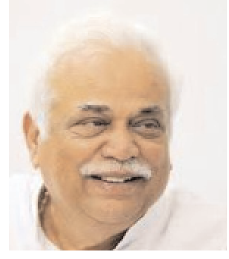

मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए कांग्रेस में उठापटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मुडा' मामले में सिद्दरामय्या का समर्थन कर रहे मंत्रियों और नेताओं में मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए पर्दे के पीछे होड़ मच गई है। यह कवायद तब शुरू हुई जब राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के अतिरिक्त प्लॉट आवंटन घोटाले की जांच का आदेश दिया। यह माना जा रहा था कि सिद्दरामय्या इस्तीफा देंगे और अगर ऐसी स्थिति होती है कि सिद्दरामय्या येडीयुरप्पा की तरह इस्तीफा दे देते हैं, तो प्रभावशाली मंत्रियों और वरिष्ठ विधायकों ने उस पद को पाने के लिए आलाकमान का सहारा लेना पड़ेगा।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को पूरा भरोसा है कि अगर सिद्दरामय्या सत्ता से हट गए तो उनका मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा हो जाएगा और सभी रास्ते साफ हो जाएंगे। लेकिन वहीं शिवकुमार के साथ–साथ गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, पार्टी के वरिष्ठ विधायक आरवी देशपांडे भी इस दौड़ में शामिल हो गए हैं। शिवकुमार ने यह अनुमान लगाते हुए कि सतीश जरकीहोली उनकी सत्ता में बाधा बन सकते हैं, कल सतीश जरकीहोली को अपने आवास पर बुलाया और लगभग 90 मिनट तक चर्चा की। शिवकुमार ने सलाह दी कि अगर सिद्दरामय्या के सामने कानून के फंदे में फंसकर सत्ता त्यागने की नौबत आए तो मेरा साथ दें, पार्टी में आपके अच्छे मौके हैं, जल्दबाजी में फैसला न लें। कहा जाता है कि शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, जरकीहोली और उनके भाइयों के गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के संपर्क में होने की जानकारी के मद्देनजर पार्टी और सरकार को सक्रिय रखने में सक्रिय हैं।

मंत्री केएन राजन्ना समेत कुछ मंत्रियों ने खुलेआम कहा था कि अगर सत्ता साझेदारी की स्थिति बनी तो ऐसी बैठक में डॉ. परमेश्वर या जरकीहोली ही मुख्यमंत्री होंगे। हम किसी भी कारण से शिवकुमार को स्वीकार नहीं करेंगे, हमारे लिए सिद्दरामय्या नेता हैं। वह पूरे कार्यकाल के लिए सत्ता में रहेंगे, और यदि स्थिति बदलती है, तो एक अनुसूचित व्यक्ति को मुख्यमंत्री होना चाहिए, संबंधित नेताओं की बैठकों का दौर उनके एक बयान के बाद सामने आया है। इस पृष्ठभूमि में डॉ. परमेश्वर ने जरकीहोली और पार्टी के अन्य नेताओं से संपर्क किया है और उनसे अनुरोध किया है कि अगर सरकार में स्थिति बदलती है तो उन्हें एक मौका दिया जाए।

वहीं इस सिलसिले में एक कदम आगे बढ़ते हुए आरवी देशपांडे ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की और कहा कि क्या आप राज्य की राजनीति में प्रवेश करेंगे, तो हम आपके पीछे रहेंगे। और अगर यदि आप राज्य की राजनीति में नहीं आते हैं तो मुझे मुख्यमंत्री बनने दीजिए, क्योंकि मैं आपसे सीधे सम्पर्क में हूँ। और आपकी छत्रछाया में अच्छी सरकार दूंगा।

एक अन्य वरिष्ठ सदस्य टी.बी. जयचंद्रा ने भी खरगे से मुलाकात की और उनसे मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की राजनीति में वापस आने और कम से कम अब से वफादार कांग्रेसियों को सत्ता देने को कहा। सिद्दरामय्या को सभी मुद्दों की जानकारी है, लेकिन उन्होंने कानून की लड़ाई लड़ने और अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील से संपर्क किया है।

वहीं सिद्दरामय्या के करीबी ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज भी अगर सत्ता परिवर्तन हुई तो दौड़ में शामिल होंगे। सिद्दरामय्या को अगर पद छोड़ना पड़ा तो वह जॉर्ज के नाम पर गौर कर सकते हैं। वहीं कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुडा भूमि आवंदन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ शिकायतों की सुनवाई 29 अगस्त तक टाल दी है। देखना होगा कि आने वाले दिनों में राज्यपाल के आदेश पर क्या कार्रवाई होगी। वहीं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने साफ कहा कि वे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे और कानूनी लड़ाई लडेंगे।

मराठा एलआईआरसी ने उत्साह के साथ मनाया रक्षाबंधन

बेंगलूरु। परंपरा और सौहार्द का शानदार प्रदर्शन करते हुए मराठा एलआईआरसी के सभी अधिकारियों व जवानों ने रक्षाबंधन का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर 200 से अधिक स्कूली बच्चियां, परिवारों और विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों से महिलाएं अग्निवीरों और मराठा एलआईआरसी के तैनात सैनिकों को राखी बांधने के लिए आईं। उन्होंने विनम्रता के साथ उनकी राखियां स्वीकार कीं। जवानों व अधिकारियों ने मातृभूमि की सेवा करने तथा देश की सीमाओं और नागरिकों को सभी आंतरिक और बाह्य खतरों से सुरक्षित रखने की शपथ भी ली।

वित्त विभाग के साथ मंत्री जमीर अहमद खान ने की बैठक

बेंगलूरु। कलंगेरी विकास बोर्ड और राजीव गांधी हाउसिंग कॉर्पोरेशन की ओर से गरीबों के लिए घर वितरण योजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर मंत्री जमीर अहमद खान ने वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। विधानसभा के वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव अतीक के कार्यालय में हुई बैठक में राजीव गांधी हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा एएचपी परियोजना के तहत 47,887 मकानों के निर्माण के लिए 2213 करोड़ रुपये की घोषणा की गई। सरकार द्वारा इसे वहन करने के संबंध में सैद्धांतिक सहमति बनने की पृष्ठभूमि में इसे कैबिनेट के समक्ष लाने का निर्णय लिया गया।

इसी प्रकार, कोलागेरी विकास बोर्ड द्वारा एएचपी परियोजना के तहत बनाए जा रहे 1.82 लाख घरों में से 32,946 घरों को अगले महीने दूसरे चरण में वितरित करने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए लाभार्थियों और बुनियादी सुविधाओं की राशि 862 करोड़ रुपये की अनुदान हेतु कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

इस मौके पर हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष शिवालिंगे गौड़ा, आयुक्त कविता मन्निकेरी, मुख्य अभियंता रविकुमार, केएमडीसी अध्यक्ष अल्ताफ खान, एमडी नजीर, निदेशक जिलानी मोकाशी, स्लम डेवलपमेंट बोर्ड कमिश्नर अशोक, मुख्य अभियंता बलाराजू, राजीव गांधी हाउसिंग कॉर्पोरेशन एमडी सुशीलम्मा आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला

जयपुर में मंगलवार को भाजपा का शुरू होने वाले 'सदस्यता अभियान-2024' के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय सदस्यता अभियान कार्यशाला में उदघाटन करती उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी।

भारत बंद के मद्देनजर वाहनों के सुरक्षित संचालन के निर्देश जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों के आरक्षण को लेकर दिए गए निर्णय के विरोध में सोशल मीडिया पर 21 अगस्त को आह्वान किये जा रहे भारत बंद के मद्देनजर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा सभी वाहनों के सुरक्षित संचालन के आदेश जारी किए गए हैं।

निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती श्रेया गुहा ने बताया कि भारत बंद के मद्देनजर सभी मुख्य प्रबंधक, प्रबंध संचालकों और यातायात प्रबंधकों को मुख्यावास पर ही उपस्थित रहने के लिए पाबंद किया गया है। निगम द्वारा सभी वाहनों का संचालन यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर सुरक्षित एवं सावधानी पूर्वक करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका होने पर वाहन को आगार कार्यशाला में या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर ही रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं।

श्रीमती गुहा ने बताया कि निगम वाहनों को अवांछनीय और असामाजिक तत्वों से दूर रखकर स्थानीय प्रशासन या पुलिस थानों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका होने या घटित होने पर स्थानीय प्रशासन एवं केंद्रीय नियंत्रण कक्ष, मुख्यालय, जयपुर को तुरंत प्रभाव से अवगत कराया जाएगा। प्रस्तावित भारत बंद के संबंधित क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की भ्रमित जानकारी या तोड़फोड़ की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

अजमेर ब्लैकमेल कांड में छह आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अजमेर की एक विशेष अदालत ने 1992 के बहुचर्चित ब्लैकमेल व ब्लात्कार कांड मामले में छह शेष आरोपियों को दोषी मानते हुए मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इस बहुचर्चित कांड में अजमेर शहर की 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया था। अभियोजन पक्ष के वकील वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की सुनवाई पॉक्सो कोर्ट में हो रही थी। न्यायाधीश रंजन सिंह ने छह आरोपियों को अपराध में शामिल होने का दोषी ठहराया और फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि अदालत ने नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहेल गनी और सैयद ज़मीर हुसैन सहित प्रत्येक आरोपी पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। एक आरोपी इकबाल भाटी को अदालत में पेश होने के लिए एम्बुलेंस में दिल्ली से अजमेर लाया गया था। उल्लेखनीय है कि 1992 के इस बहुचर्चित प्रकरण में लड़कियों की अश्लील तस्वीरें खींचकर उन्हें ब्लैकमेल किया गया था। पुलिस के अनुसार इन तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी देकर 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया। मामले में अजमेर के एक मशहूर निजी स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को फार्म हाउस में बुलाया जाता था जहां उनके साथ दुष्कर्म किया जाता। पीड़ित लड़कियों की उम्र 11 से 20 साल के बीच थी।

इस मामले में कुल 18 लोग आरोपी थे। इनमें से छह आरोपियों पर अलग से मुकदमा चल रहा है, जबकि बाकी आरोपी या तो अपनी सजा पूरी कर चुके हैं या फिर अदालत से बरी हो चुके हैं। इनमें से कुछ पर अलग से भी मामले चल रहे हैं।

पाकिस्तान से तस्करी कर लाई जा रही तीन किलो हेरोइन बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पुलिस के साथ मिलकर चलाये गये संयुक्त अभियान के दौरान तस्करी की तीन किलो हेरोइन बरामद की है जिसकी कीमत 15 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उनके अनुसार यह हेरोइन ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से तस्करी कर लाई जा रही थी। अधिकारियों के अनुसार मादक पदार्थ का यह खेप समेजा थानाक्षेत्र में 44 पीएस गांव के खेतों में मिला। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से उसे भेजे जाने की सूचना मिलने पर संयुक्त टीम ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास तलाशी अभियान चलाया था।

बीएसएफ (राजस्थान) ने ट्वीट किया, 19-20 अगस्त की रात बीएसएफ के जवानों ने पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया। तलाशी के दौरान भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रायसिंहनगर के खेतों से संदिग्ध हेरोइन का लगभग तीन किलो वजन का पैकेट बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि बलवंत सिंह रायसिख के खेत से तीन किलो वजनी हेरोइन का पैकेट बरामद किया गया है और अब तस्करों की तलाश की जा रही है।

अलवर जिले में कई जगह बारिश

जयपुर। राजस्थान के विभिन्न जिलों में मानसून की बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में अलवर जिले में कई जगह भारी से अति भारी वर्षा हुई। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार, मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटों में राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम वर्षा हुई। अलवर जिले में कहीं कहीं भारी से अति भारी बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक 127 मिलीमीटर बारिश बानसूर (अलवर) में दर्ज की गई।

सड़क हादसे में दंपत्ति सहित तीन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में सड़क हादसे में एक दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उसके अनुसार यह हादसा सोमवार रात सज्जनगढ़ थानाक्षेत्र में हैजामाल और सांगवा गांवों के बीच उस समय हुआ जब एक मोटरसाइकिल ट्रक को 'ओवरटेक' करते समय विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गई। हेड कांस्टेबल चंदू लाल ने बताया, दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद घायलों को एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान लालजी डामोर और उसकी पत्नी सुमित्रा के रूप में हुई है। अन्य की पहचान ईश्वर पटेल के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शवों को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

उदयपुर चाकूबाजी की घटना

कड़ी सुरक्षा के बीच छात्र का अंतिम संस्कार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर में एक स्कूल के बाहर चाकूबाजी की घटना में जान गंवाने वाले 15 वर्षीय किशोर का अंतिम संस्कार मंगलवार की सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कर दिया गया। पिछले सप्ताह घायल हुए छात्र देवराज ने अस्पताल में चार दिन तक जिंदगी के लिए जूझने के बाद सोमवार को दम तोड़ दिया था। पुलिस ने बताया कि देवराज का शव आज सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसका अंतिम संस्कार किया गया। किशोर की अंतिम यात्रा में काफी लोग शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि चाकू मारे जाने के बाद घायल देवराज का यहां के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। सोमवार को उसके अंतिम सांस लेने से कुछ समय पहले उसकी बहन ने रक्षाबंधन पर उसकी कलाई पर राखी बांधी थी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के मद्देनजर शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। शहर में आज सभी सरकारी और निजी स्कूल भी बंद हैं।

पीड़ित छात्र के परिवार की मांगों पर कल रात सहमति बनने के बाद परिवार के सदस्य शव लेने पर राजी हो गए। राज्य सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को 51 लाख रुपये का मुआवजा देने, मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में कराने, परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने और परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने का आश्वासन दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को किसी बात को लेकर देवराज पर उसके स्कूल के बाहर एक साथी छात्र ने हमला कर दिया था। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया। घटना के विरोध में हिंदू संगठनों के सदस्यों ने एक मोटर गैराज में कुछ कारों को आग के हवाले कर दिया और एक मॉल में दुकान में तोड़फोड़ की थी। घटना के बाद उपजे तनाव को देखते हुए शहर के सभी सरकारी और निजी स्कूल अगले आदेश तक बंद कर दिए गए और मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं।

किसी भी प्रदेश की प्रगति में मजबूत सड़क तंत्र का होता है महत्वपूर्ण योगदान : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति में मजबूत सड़क तंत्र का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा सड़कों के सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण कार्य कराया जा रहा है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं प्रबंधन में राज्य में सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, कृषि, पानी, बिजली एवं उद्योग सहित हर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो रहा है।

संसदीय कार्य एवं न्याय मंत्री पटेल ने जोधपुर के कटारड़ा से डोली तक मिसिंग लिंक योजना के अंतर्गत डामर सड़क कार्य का शिलान्यास किया।

ग्रामीणों की ओर से मंत्री पटेल का साफा और माल्यार्पण कर नागरिक अभिनंदन किया गया। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण हो जाने के बाद शहर तक आने जाने का मार्ग सुगम हो जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि सड़कों से विकास का बड़ा संबंध होता है। प्रदेश के गांवों में नई सड़कें बनने से लोगों को काफी फायदा मिलेगा। गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, रोजगार आदि सुविधाएं मजबूत होंगी। साथ ही, गांवों के नई डामर सड़कों के जोड़ने से किसानों को अपनी फसलों को मंडियों तक पहुंचाना आसान होगा। गांवों से शहरों की दूरी कम होगी और गांवों में उद्योगों का विकास होगा। इसके अलावा नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

पटेल ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिवद्ध है श्र ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ एवं बेहतर सड़क मार्ग राज्य सरकार की प्राथमिकता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास में धन की कोई कमी नहीं आने देगी। इससे पूर्व संसदीय कार्य एवं न्याय मंत्री पटेल ने कटारड़ा पहुंच कर नंदेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों एवं क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कांग्रेस ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर पीसीसी मुख्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर राजीव गांधी के व्यक्तित्व पर एक विचार गोष्ठी भी आयोजित हुई। पीसीसी चीफ गोविन्द डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, घनश्याम मेहर, पूर्व विधायक संयम लोढ़ा, पूर्व सांसद अश्क अली टाक सहित अनेक कांग्रेस ने राजीव गांधी के चित्र पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के बाद आयोजित विचार गोष्ठी में डोटासरा, जूली सहित कई वक्ताओं ने राजीव गांधी के राजनीतिक और सामाजिक जीवन के पहलुओं पर अब के परिपेक्ष्य में मूल्यों पर प्रकाश डाला।

डोटासरा और जूली ने देश में राजनीति के दौरे में राजीव गांधी के सिद्धांतों की बेहद ज्यादा जरूरत बताते हुए कहा कि अब केंद्र सरकार में लोकतंत्र को नहीं मानने वाले लोग बैठे हुए हैं, जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं। राजीव गांधी ने हमेशा देश हित में काम करते हुए सबको साथ लेकर चलने की राजनीति की।य्स्र देश मे आधुनिक विज्ञान तकनीक को लाने वाले राजीव गांधी ने खुद का जीवन देश के लिए बलिदान कर दिया। उनके सिद्धांत पर चलकर राष्ट्र हित में काम करने की जरूरत है।

बच्चे की दर्दनाक मौत के बाद जनाना अस्पताल में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोंक। नला गांव के 13 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत के बाद जनाना अस्पताल में परिजनों ने भारी हंगामा किया। बच्चे को सुबह पेट दर्द की गंभीर शिकायत के बाद निवाई से जनाना अस्पताल रेफर किया गया था। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर परिजनों को पता चला कि इमरजेंसी में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था, जिसके कारण बच्चे का इलाज समय पर नहीं हो पाया। इस घटना के समय अस्पताल की चौकी पर भी कोई पुलिसकर्मी तैनात नहीं था, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

अस्पताल प्रशासन की लापरवाही का यह आलम था कि सुबह 8 बजे तक अस्पताल प्रभारी भी अपनी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे थे।

परिजनों का गुस्सा अस्पताल प्रशासन के खिलाफ फूट पड़ा, और उन्होंने अस्पताल में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस हंगामे के चलते अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और कई अन्य मरीजों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस घटना ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं, जहां समय पर इलाज न मिलने के कारण कई मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।

कोटा के छात्रावास में कोचिंग छात्र संदिग्ध हालत में मृत मिला, अभिभावक ने जांच से किया इनकार

कोटा। कोटा में 18 वर्षीय एक कोचिंग छात्र अपने छात्रावास के कमरे के शौचालय में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छात्रावास के 'केयरटेकर' से सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम छात्र के कमरे में पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए, लेकिन छात्र के माता-पिता के अनुरोध पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की। उन्होंने बताया कि माता-पिता ने पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया, जिसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए उन्हें सौंप दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज निवासी कुशाग्र रस्तोगी के रूप में हुई, जो जवाहर नगर इलाके में स्थित छात्रावास में अपनी मां के साथ रह रहा था। सोमवार को छात्र का शव मिला। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अप्रैल में रस्तोगी ने इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कोटा में एक कोचिंग संस्थान में दाखिला लिया और छात्रावास में रहने लगा। क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राजेश टेलर ने मृतक की मां के हवाले से बताया कि सोमवार सुबह उठने के बाद रस्तोगी शौचालय गया था। टेलर ने बताया कि जब 15-20 मिनट के बाद भी लड़का बाहर नहीं आया तो उसकी मां ने शौचालय का दरवाजा खटखटाया और पाया कि दरवाजा खुला हुआ है और उसका बेटा अंदर फर्श पर बेहोश पड़ा है।

मंत्री पद से अपने इस्तीफा पर बोले किरोड़ी लाल- मेरी नाराजगी खुद से, मैं सड़कों पर घूमने वाला सड़कछाप आदमी

जयपुर। कृषि और आपदा प्रबंधन मंत्री के पद से इस्तीफा दे चुके डॉक्टर किरोडी लाल मीणा मंगलवार को वैशाली नगर में भाजपा के सदस्य अभियान को लेकर चल रही प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पहुंचे। यहां, उन्होंने खुद के इस्तीफा को लेकर कहा कि मेरी नाराजगी पार्टी, मुख्यमंत्री या फिर किसी और नेता से नहीं है। मैं तो खुद से ही नाराज हूं। मैं 43 साल से जन संघर्ष कर जनता किनसेवा कर रहा हूं। बावजूद चुनाव मैं जनता के संघर्ष को वोटों में बदल कर पार्टी को नहीं डलवा पाया। उनसे मंत्री पद जॉइनिंग करने और खुद मान जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जब भवानी जागेगी तब मैं खुद अपने आप मान जाऊंगा। वहीं दूसरी ओर देश भर में एससी एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के प्रावधान को लेकर गरमाई राजनीति पर कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हूं । कहा कि मेरे गांव के पड़ोस में एक व्यक्ति तीस साल से पहाड़ खोद रहा है, उसे अभी तक कुछ नहीं मिला है। जबकि मैं कैबिनेट मंत्री बन गया और मेरा भाई अफसर बन गया। पूर्वी राजस्थान में भारी बारिश के दौरान बाढ़ जैसे हालात बनने के दौरान उन्हें सरकार से दौरे के लिए हेलीकॉप्टर नहीं दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कोरी अफवाह है। मैंने सरकार से हेलीकॉप्टर नहीं मांगा। इसे लेकर बेवजह विवाद पैदा किया जा रहा है। मैं तो सड़क पर घूमता रहता हूं ,एक सड़क छाप आदमी हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अयोध्या, गोमतीनगर व कन्नौज का 'नवाब ब्रांड' ही सपा की असली पहचान : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दुष्कर्म और छेड़खानी की कुछ घटनाओं में राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) से कथित तौर पर जुड़े लोगों की भूमिका की ओर संकेत करते हुए तंज किया कि अयोध्या, गोमतीनगर व कन्नौज की घटना ही समाजवादी पार्टी का 'नवाब ब्रांड' है, यही सपा की असली पहचान है।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान-2024 की कार्यशाला में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए सपा पर जमकर प्रहार किया।

हाल में कन्नौज में सपा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव द्वारा नौकरी देने के नाम पर एक नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म, अयोध्या में एक नाबालिग लड़की से कथित दुष्कर्म मामले में सपा से जुडे एक कारोबारी की गिरफ्तारी और लखनऊ के गोमतीनगर में बारिश के दौरान छेड़छाड़ के मामले को लेकर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''अयोध्या, गोमतीनगर व कन्नौज की घटना ही समाजवादी पार्टी का 'नवाब ब्रांड' है।''

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, ''कोलकाता की अराजकता पर चिकित्सक व आधी आबादी आंदोलित है, लेकिन सपा मुखिया दुष्कर्मियों व कोलकाता सरकार का बचाव कर रहे हैं।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''समाजवादी पार्टी मुखिया का बेशर्मीपूर्ण बयान ही उनकी पार्टी का असली चेहरा है।''

सदस्यता अभियान को लेकर मुख्यमंत्री ने अपील की ''हर बूथ पर 200 सदस्य बनाना है। इसके लिए कार्यकर्ता गांवों में अलग-अलग तबकों के बीच जाएं और लेखक, साहित्यकार, समाज सुधारक, किसान, युवा, सेवानिवृत्त सैनिक समेत हर वर्ग को जोड़ें, सूची बनाएं।''

उन्होंने कहा, ''मलिन-दलित बस्तियों में जाकर पहले उनकी सुनिए, फिर अपनी कहिए। केंद्र व राज्य की योजनाओं, रोजगार व कनेक्टिविटी से अवगत कराइए। संवाद सदस्यता अभियान के जरिए जनता से जुड़िए।''

योगी ने कहा कि आधी आबादी भाजपा से जुड़ना चाहती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया कि घर-घर जाएं और सिर्फ मुखिया से ही नहीं, बल्कि हर सदस्य से मिलें।

गंगा नदी के सुरक्षा तटबंध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त, भागलपुर जिले के कई गांवों में घुसा पानी

भागलपुर/भाषा। बिहार के भागलपुर जिले में गंगा नदी के सुरक्षा तटबंध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो जाने से गोपालपुर अनुमंडल के कई गांव मंगलवार को जलमग्न हो गए । बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने मंगलवार को कहा कि आज सुबह करीब पौने 10 बजे भागलपुर जिलान्तर्गत इस्माइलपुर-बिंदटोली तटबंध का करीब 60 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि इस कारण गोपालपुर प्रखंड अंतर्गत करारी तीनटंगा पंचायत के बुद्धुचक एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में गंगा नदी का पानी घुस गया।

उनके मुताबिक, अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और प्रभावित इलाकों के ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। चौधरी ने कहा कि तटबंध टूटने के बाद तत्काल मरम्मत के लिए बाहर से आवश्यक सामान मंगाया गया है।

चौधरी ने कहा, गंगा नदी का जलस्तर भागलपुर गेज स्थल पर 13 अगस्त से 18 अगस्त तक लगातार खतरे के निशान के ऊपर बना रहा था। 19 अगस्त को गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे हुआ एवं जलस्तर में घटने की प्रवृति बनी हुई है।

कोलकाता के अस्पताल कांड के विरोध में मार्च के दौरान अभाविप कार्यकर्ताओं पर पुलिस का लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित बलात्कार और फिर उसकी हत्या की घटना के विरोध में मंगलवार को यहां पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय की ओर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के मार्च के दौरान उसके कार्यकर्ताओं के साथ झड़प छिड़ जाने के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया एवं 20 से अधिक अभाविप कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की, जो राज्य की स्वास्थ्य मंत्री और गृह मंत्री भी हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय 'स्वास्थ्य भवन' की ओर जाने वाली सड़कों पर अवरोधक लगा दिए थे, जिन्हें अभाविप कार्यकर्ताओं ने हटाने की कोशिश की। अभाविप की एक महिला सदस्य ने कहा, ''हम सिर्फ मुख्यमंत्री का इस्तीफा चाहते हैं। (आर जी) अस्पताल में जो घटना हुई वह कल्पना से परे है।''

यहां नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर की कथित रूप से बलात्कार के बाद हत्या कर दी गयी थी। अस्पताल के सेमिनार कक्ष में उसका शव मिला था। इस घटना के खिलाफ पूरे देश में जनाक्रोश पैदा हो गया।

कोलकाता मामले पर भविष्य में बोलूंगा, रायबरेली में दलित की हत्या से ध्यान भटकाना नहीं चाहता: राहुल

रायबरेली (उप्र)/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वह भविष्य में कोलकाता में डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मामले पर बोलेंगे, क्योंकि वह दलित युवक की हत्या के मुद्दे से ध्यान भटकाना नहीं चाहते, जिसके लिए वह यहां आए हैं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें अपराध सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में दिखता है।

राहुल गांधी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में थे, जहां नसीराबाद थाना क्षेत्र के भुवालपुर सिसनी गांव में 11 अगस्त को कुछ स्थानीय लोगों के साथ विवाद के बाद अर्जुन पासी (22) नामक एक दलित युवक की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी।

अर्जुन पासी के परिजनों से मिलने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान जब उनसे कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या के मामले के बारे में पूछा गया तो गांधी ने कहा, मैं इस घटना (दलित की हत्या) के लिए यहां (रायबरेली) आया हूं। उन्होंने कहा, मैंने कोलकाता की घटना पर टिप्पणी की है और अपने विचार रखे हैं। मैं इस घटना (दलित युवक की हत्या) से ध्यान भटकाना नहीं चाहता, इसलिए मैं इस मुद्दे को उठाने यहां आया हूं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं जानता हूं कि आप नहीं चाहते कि इस मुद्दे को भटकाया जाए और इसे उजागर न किया जाए क्योंकि आप नहीं चाहते कि दलितों के मुद्दों को उठाया जाए। मैं यहां दलितों की रक्षा करने, उनके मुद्दों को उठाने आया हूं। मैं इस मामले से ध्यान भटकने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा, मैं कोलकाता मामले पर आगे आने वाले समय पर बोलूंगा।

लेटरल एंट्री का उद्देश्य आरएसएस समर्थक लोगों को भर्ती करना है : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि नौकरशाही में ''लेटरल एंट्री'' का उद्देश्य केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के मूल संगठन आरएसएस के प्रति झुकाव रखने वाले लोगों को भर्ती करना है।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''आखिर यूपीएससी इस तरह का विज्ञापन कैसे लाया। केंद्र आरक्षण और संविधान के खिलाफ अपने एजेंडे का खुलासा होने के बाद नाटक कर रहा है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''योजना नौकरशाही में पदों को आरएसएस समर्थित लोगों से भरने की थी। विज्ञापन सामने आते ही मैंने अपना विरोध दर्ज करा दिया था। हम सरकार के छिपे एजेंडे को लागू करने के प्रयासों को विफल करना जारी रखेंगे।'' बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और चिराग पासवान जैसे राजग सहयोगियों पर ''इस मुद्दे पर चुप रहने'' का भी आरोप लगाया। साल 2002 के गुजरात दंगों के बाद के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए राजद नेता ने कहा कि चिराग पासवान को सोचना चाहिए कि उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान की प्रतिक्रिया क्या होती, जिन्होंने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में अपना कैबिनेट पद छोड़ने में जरा भी देरी नहीं की थी। यूपीएससी 'लेटरल एंट्री' के जरिए सीधे उन पदों पर उम्मीदवारों की नियुक्ति करता है, जिन पदों पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों की तैनाती होती है।

ज्योतिषी रमेश तिवारी हत्याकांड में 12 लोगों को उम्र कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जौनपुर/भाषा। जौनपुर की एक अदालत ने ज्योतिषी रमेश तिवारी की हत्या के मामले में 12 आरोपियों को दोषी करार देते हुए मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी। तिवारी को समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव और उनके परिवार का करीबी माना जाता था।

जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश चंद्र पांडेय ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के ज्योतिषी रहे रमेश चन्द्र तिवारी की 2012 में सरपतहां के ऊंचगांव में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। उनके मुताबिक, इस मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) रूपाली सक्सेना ने शूटर विपुल समेत 12 आरोपितों को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई। न्यायाधीश ने दोषियों पर 30-30 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। पांडेय ने बताया कि 15 नवंबर 2012 की सुबह ऊंचगांव में ज्योतिषी रमेश चन्द्र तिवारी की उनके घर में घुसकर पुलिस की वर्दी पहने दो बदमाशों ने कार्बाइन व पिस्तौल से गोलीबारी कर हत्या कर दी थी। इस घटना में रमेश के भाई राजेश भी घायल हुए थे। पांडेय ने बताया कि मृतक के भाई उमेश तिवारी ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। उनके मुताबिक, मामले की तफ्तीश के दौरान शूटर विपुल सिंह, हत्या के षड्यंत्र में शामिल धीरेंद्र सिंह, झारखंडे सिंह, सूबेदार सिंह, कौशल किशोर सिंह, विजय बहादुर सिंह, वीरेंद्र बहादुर सिंह, लाल शंकर उपाध्याय, अमित उर्फ पंडित, अरविंद, शैलेंद्र, तन्नू सिंह, शेर बहादुर सिंह और अमरजीत सिंह का नाम प्रकाश में आया। उन्होंने बताया कि मुकदमा लंबित रहने के दौरान झारखंडे सिंह की मृत्यु हो गई है। वहीं, शूटर शेर बहादुर सिंह की पुलिस के साथ मुठभेड़ में मौत हो गयी थी। रमेश चंद तिवारी के संबंध बड़े-बड़े राजनीतिक नेताओं के साथ-साथ शीर्ष नौकरशाहों से भी थे।

मेघालय में 3 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

शिलांग/भाषा। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले में एक महिला समेत तीन बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश के नागरिकों को घुसपैठ में मदद करने के आरोप में मेघालय के तीन लोगों को भी हिरासत में लिया गया।

पड़ोसी देश से संभावित घुसपैठ की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने मुक्तापुर गांव में अभियान चलाकर अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास छह लोगों को पकड़ लिया। बीएसएफ ने बताया कि प्रारंभिक जांच के दौरान उनमें से तीन ने खुद को बांग्लादेश से आए प्रवासी बताया। हालांकि वे कोई वैध यात्रा दस्तावेज नहीं दिखा पाए। बीएसएफ ने बताया कि शेष तीन लोग मुक्तापुर के निवासी थे और घुसपैठियों को रसद सहायता उपलब्ध कराने में शामिल थे। बाद में सभी छह लोगों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने बांग्लादेशी नागरिकों के साथ-साथ मुक्तापुर के तीन ग्रामीणों को भी गिरफ्तार किया है।

जमशेदपुर से उड़ान भरने के बाद प्रशिक्षण विमान लापता, तलाश जारी

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में मंगलवार को एक हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद दो सीटों वाला एक प्रशिक्षण विमान लापता हो गया, जिसके बाद उसका पता लगाने के लिए व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान ने पूर्वाह्न करीब 11 बजे जमशेदपुर के सोनारी हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि विमान को आखिरी बार सरायकेला-खरसावां जिले के निमडीह के पास देखा गया था। उन्होंने बताया कि पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों का प्रशासन, पुलिस और वन विभाग विमान की तलाश कर रहे हैं। मित्तल ने बताया कि निमडीह के निकटवर्ती इलाकों के अलावा पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में भी तलाशी ली जा रही है।

उपलब्धि: बीएसएफ अधिकारी ने 'आयरनमैन ट्रायथलॉन' पूरा कर इतिहास रचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी हरीश काजला (35) ने दुनिया में सबसे कठिन 'ट्रायथलॉन' कार्यक्रमों में से एक 'आयरनमैन' चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा कर इतिहास रच दिया है। काजला यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के पहले अधिकारी हैं। सहायक कमांडेंट हरीश काजला 2012 में देश के सबसे बड़ी सीमा प्रहरी बल 'बीएसएफ' में शामिल हुए थे। वह फिलहाल आतंकवाद निरोधक कमांडो बल 'नेशनल सेक्युरिटी गार्ड (एनएसजी)' में प्रतिनियुक्ति पर हैं।

सीमा सुरक्षा बल ने सोमवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर कहा, '' सहायक कमांडेंट हरीश काजला ने डेनमार्क के कोपेनहेगन में आयोजित 'आयरन मैन चैलेंज' को सफलतापूर्वक पूरा करके राष्ट्र और बल को गौरवान्वित किया है। वह इस चुनौती को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सीएपीएफ के पहले अधिकारी बन गए हैं।'' बीएसएफ के अनुसार काजला 12 घंटे 45 मिनट और 25 सेकेंड में इस स्पर्धा को पूरा करने और यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे। 'आयरनमैन चैलेंज' में तीन स्पर्धाएं आती हैं। इनमें 3.8 किलोमीटर की तैराकी, 180 किलोमीटर की साइकलिंग और 42.2 किलोमीटर की मैराथन दौड हैं। बीएसएफ के अनुसार, नवीनतम स्पर्धा के लिए, 35-39 आयु वर्ग के पुरुषों के लिए 'कट-ऑफ' समय 15:45:00 था। सीमा सुरक्षा बल ने डेनमार्क की राजधानी में 'फिनिश लाइन' पर काजला की राष्ट्र ध्वज के साथ-साथ बीएसएफ और एनएसजी के झंडे पकड़े हुए तस्वीरें भी पोस्ट कीं। बीएसएफ पर मुख्य रूप से पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगती सीमा की चौकसी का जिम्मा है। बीएसएफ गृहमंत्रालय के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) का हिस्सा है। सीएपीएफ के तहत बीएसएफ के अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) आते हैं।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और अन्य को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। सुलतानपुर की एक अदालत ने दो दशक से भी ज्यादा पुराने एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अनूप संडा के पेशी पर नहीं आने पर कड़ी आपत्ति जताई और स्थानीय पुलिस को उन्हें गिरफ्तार कर सुनवाई की अगली तारीख 28 अगस्त को अदालत में पेश करने का आदेश दिया। सांसद /विधायक अदालत के विशेष न्यायाधीश शुभम वर्मा ने सिंह, संडा और अन्य के खिलाफ जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को भी बरकरार रखा। एक न्यायिक अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''अदालत ने पुलिस को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 अगस्त तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है।

संजय सिंह के अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि सिंह, संडा और चार अन्य आरोपियों के खिलाफ गत 13 अगस्त को गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। उस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।

मोदी अल्पमत सरकार चला रहे हैं, जद(यू), तेदेपा के समर्थन के बिना काम नहीं चल सकता: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''अल्पमत'' सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं जो अपने सहयोगी दलों जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के समर्थन के बिना काम नहीं कर सकती।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में खरगे ने कहा 'इंडिया' गठबंधन ने हालिया लोकसभा चुनावों में भाजपा को करारा जवाब दिया और उसकी सीटों की संख्या को 240 तक सीमित कर दिया, जो बहुमत के 272 के आंकड़े से काफी कम है। भाजपा की सीट की संख्या 2019 की 303 सीट से भी कम है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल होने वाली पार्टियों की बढ़ती संख्या के कारण भाजपा की राजनीतिक योजनाओं को झटका लगा है। उन्होंने भाजपा को ''जहर'' करार देते हुए कहा कि इसे चखने की कोई जरूरत नहीं है। लोकसभा चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा ने आंध्रप्रदेश में 16 और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी जद(यू) ने बिहार में 12 सीटों पर जीत दर्ज की।

बुमराह पिछले पांच-छह साल में कई प्रारूप में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज: पोंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह पिछले पांच या छह वर्षों में कई प्रारूपों में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।

पोंटिंग ने कहा कि बुमराह के लंबे समय तक खेलने को लेकर कुछ चिंताएं हो सकती हैं लेकिन उन्होंने हमेशा चोटों से उबरकर मजबूत वापसी की है। पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यु' पर कहा, ''मैं यह लंबे समय से कहता रहा हूं कि वह पिछले पांच या छह साल से विश्व क्रिकेट में शायद कई प्रारूप में खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।'' उन्होंने कहा, ''कुछ साल पहले जब चोटें लगी तो कुछ डर था कि 'क्या वह पहले जैसा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने वापसी करके वास्तव में बेहतर प्रदर्शन किया है।''

ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''इन खिलाड़ियों के बारे में हमेशा सही जानकारी पाने का सबसे अच्छा तरीका (अन्य) खिलाड़ियों से पूछना है। और जब आप विपक्षी बल्लेबाजों से उनके (बुमराह) बारे में बात करते हैं तो हमेशा यही जवाब होता है कि 'नहीं, वह एक बुरा सपना हैं!' आप कभी नहीं जानते कि क्या होने वाला है।'' उन्होंने कहा, ''कोई गेंद स्विंग करेगी, कोई सीम होगी, वह इन स्विंग गेंदबाजी करेगा, वह आउट स्विंग गेंदबाजी करेगा।''

टी20 विश्व कप में 15 विकेट लेकर बुमराह ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और पोंटिंग ने 30 वर्षीय बुमराह की जमकर तारीफ की। पोंटिंग ने कहा, ''अगर मैं टी20 विश्व कप में उनके प्रदर्शन को देखूं तो – गति अब भी वही है, सटीकता या वह जो दे सकते हैं, उसमें कुछ भी नहीं बदला है।'' उन्होंने कहा, ''कौशल भी समान है। वह साल दर साल बेहतर होते जा रहे हैं। जब आपके पास वह कौशल और निरंतरता होती है जो उनके पास है, तो आप एक महान खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। (ग्लेन) मैकग्रा को देखें, (जेम्स) एंडरसन को देखें, इन लोगों को देखें। उनका कौशल इतने लंबे समय तक कायम रहा जो उन्हें बाकी लोगों से अलग करता है।

डॉक्टर या इंजीनियर बनना जरूरी नहीं, खेलों से भी बन सकती अच्छी जिंदगी: मनु भाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ स्वदेश लौटी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां एक स्कूल में सम्मानित होने के बाद छात्रों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे 'जिंदगी अच्छी' बनाई जा सकती है।

हरियाणा की इस 22 साल की निशानेबाज ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक अपने नाम किये। वह ओलंपिक के किसी एक सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी हैं।

मनु ने यहां 'वेलाम्मल नेक्सस स्कूल' में आयोजित कार्यक्रम में कहा, '' तोक्यो ओलंपिक में निराशा मिलने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना काफी मुश्किल था। मैं उस समय विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर थी लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी।'' उन्होंने कहा, ''मैं विफलता के बाद सफलता के स्वाद को जानती हूं। खेलों की यही खूबसूरती है। आप एक प्रतियोगिता में हारते है तो दूसरे में जीतते है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब आप लगातार कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे।'' मनु ने युवा छात्रों से खेल को करियर विकल्प के रूप में अपनाने की सलाह देने के साथ 'बड़े सपने देखने' और 'कड़ी मेहनत' पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, हमें बहुत कड़ी मेहनत और प्रयास करना चाहिए। यह हमेशा किसी बड़े लक्ष्य के साथ शुरू नहीं होता है, आपको इसे हासिल करने के लिए निरंतर काम करते रहना होता है।'' उन्होंने कहा, '' आप अगर बड़े सपने देख सकते हैं, तो आप बड़ा हासिल कर सकते हैं। इसलिए, हमेशा बड़े सपने देखने से शुरुआत करें।'' मनु ने कहा, ''मैं हमेशा अपने आप से कहती हूं कि चाहे मैं किसी भी प्रतियोगिता में जीतूं या हारूं, मैं हमेशा मनोबल बनाये रखूंगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास करियर के कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर बनने की जरूरत नहीं है। खिलाड़ियों का जीवन एक सुंदर जीवन है।

सुविचार

जिंदगी से प्यार करो तो खूबसूरत हो जाती है, खुशियों का इंतजार करो तो बदसूरत हो जाती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देशहित में कड़े फैसले जरूरी

विख्यात उद्योगपति एनआर नारायण मूर्ति ने देश में बढ़ती जनसंख्या और प्रति व्यक्ति जमीन की उपलब्धता के संबंध में जो टिप्पणी की, उस पर सरकारों को चिंतन, मनन और अध्ययन करना चाहिए। आज देश में जनसंख्या उस स्तर तक पहुंच गई है कि ज्यादातर लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं व सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। जिधर जाएं, उधर भीड़ ही भीड़ दिखाई देती है। परीक्षाओं में एक-एक पद के लिए प्रतिस्पर्धा इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि कई युवाओं को अपने भविष्य को लेकर निराशा महसूस होती है। नारायण मूर्ति ने सत्य कहा कि 'भारत के समक्ष जनसंख्या, प्रति व्यक्ति जमीन उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी चुनौती है।' अगर आज देश की जनसंख्या संतुलित होती तो न तो जमीनों की कीमतें इतनी ज्यादा बढ़तीं और न ही स्वास्थ्य सुविधाओं का ऐसा हाल होता, जो दिखाई दे रहा है। देश के कई सरकारी अस्पतालों में तो स्थिति यह है कि मरीजों को न एंबुलेंस मिल पाती है और न बिस्तर उपलब्ध होता है। कोई व्यक्ति बस या ट्रेन में भारी भीड़ से निकलते हुए अपनी सीट तक पहुंच जाए तो वह ऐसा महसूस करता है, जैसे उसने कोई किला फतह कर लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह-शाम बसों व जीपों की छतों पर बैठकर या पीछे लटककर गंतव्य तक जाते हुए कई यात्री हादसों के शिकार हो चुके हैं। आखिर वे क्या करें, अंदर बैठने के लिए जगह ही नहीं मिलती! सीटें भर जाने के बाद अन्य सवारियों को ठूंस-ठूंसकर भर दिया जाता है। गांवों से पलायन कर शहर आने वाले नौजवान काफी मशक्कत के बाद जब कोई नौकरी हासिल करते हैं और दो-चार साल बाद अपना घर लेने की कोशिश करते हैं तो जमीनों की कीमतें और भवन निर्माण की लागत सुनकर 'पांवों तले जमीन खिसकती' महसूस होती है।

अगर पिछली सरकारों ने समय रहते कुछ जरूरी कदम उठाए होते तो आज हालात बहुत बेहतर होते। प्राय: यह दलील दी जाती है कि जनसंख्या बढ़ गई तो क्या हुआ, खाद्यान्न उत्पादन भी तो बढ़ गया ... कई सुविधाएं भी बढ़ गईं ... कमाई बढ़ गई! इसमें स्पष्ट रूप से तथ्यों की कमी है। बेशक खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है, लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि यह जनसंख्या वृद्धि के साथ स्वत: नहीं बढ़ा है। इसके लिए कुछ खास किस्म के बीज विकसित किए गए, उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग बढ़ाया गया। आज इनके दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। मनुष्य को पेट भरकर भोजन चाहिए, लेकिन उसके जीवन की आवश्यकताएं भोजन तक ही सीमित नहीं हैं। मनुष्य को साफ हवा चाहिए, साफ पानी चाहिए, रहने के लिए अच्छी जगह चाहिए, मनोरंजन के उचित साधन चाहिएं, अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिएं, बेहतरीन स्कूल-कॉलेज चाहिएं, सुरक्षित भविष्य भी चाहिए। अगर कमाई बढ़ी है तो चीजों के दाम भी बढ़े हैं। आटा, चावल, दाल, दूध, सब्जी, पेट्रोल, कहीं आने-जाने के लिए किराया ... सबकुछ महंगा हुआ है। ऐसे में आम आदमी के लिए तो गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं हासिल करना एक सुनहरा ख्वाब ही है। देश के पास संसाधन सीमित हैं, जबकि जनसंख्या ज्यादा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में लोग जागरूक हुए हैं। अब ज्यादातर शिक्षित परिवारों में दंपति के दो से ज्यादा बच्चे नहीं होते। प्रजनन दर में कमी आई है। वहीं, अब भी कई परिवारों की 'रूढ़िवादी सोच' में बदलाव लाना बाकी है। इसके लिए जागरूकता का प्रसार एक विकल्प हो सकता है। हालांकि यह काफी नहीं है। सरकार को देशहित में कुछ कड़े फैसले भी लेने होंगे। आने वाली पीढ़ी का जीवन स्तर बेहतर हो, अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए बहुत जरूरी है कि वर्तमान सरकार इस दिशा में बड़ा कदम उठाए।

ट्वीटर टॉक

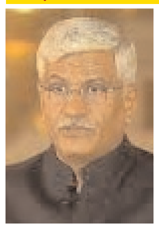

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक आदरणीय बालकृष्ण के देहावसान का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने अखिल भारतीय सह-व्यवस्था प्रमुख तथा अवध प्रांत के प्रचारक के दायित्वों का अनुकरणीय निर्वहन किया। उनका जीवन प्रेरणादायी रहा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

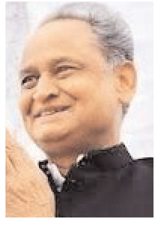

भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री, दूरदर्शी सोच के धनी, सौम्य स्वभाव एवं विनम्र व्यक्तित्व वाले स्व. राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। यह राजीव गांधी जी की सोच थी जिसके कारण आज भारत दुनिया में आईटी सुपरपावर बना है।

-अशोक गहलोत

हम देश की सेवा करने वाले अग्निवीरों को भी प्रदेश की विभिन्न सेवाओं में अवसर प्रदान करने जा रहे है। हमारी सरकार बैटल कैज्युअल्टी (फैटल) घोषित किए जाने पर शहीद अग्निवीर के आश्रित को भी कारगिल पैकेज के तहत दी जाने वाली सभी सुविधाएं देगी।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि

गोस्वामी तुलसीदास रामायण लिखते जाते और शिष्यों को सुनाते जाते थे। हनुमान भी उसे गुप्त रूप से सुनने के लिए आकर बैठते थे। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा, हनुमान अशोक वन में गये, वहां उन्होंने सफेद फूल देखे। यह सुनते ही हनुमान झट से प्रकट हो गये और बोले, मैंने सफेद फूल नहीं देखे थे। तुमने गलत लिखा है, उसे सुधार दो। गोस्वामी तुलसीदास ने कहा, मैंने ठीक ही लिखा है। तुमने सफेद फूल ही देखे थे। हनुमान ने कहा, कैसी बात करते हो! मैं स्वयं वहां गया और मैं ही झूठा! अंत में झगड़ा रामचंद्रजी के पास पहुंचा। उन्होंने कहा, फूल तो सफेद ही थे, परंतु हनुमान की आंखें क्रोध से लाल हो रही थीं, इसलिए वे उन्हें लाल दिखाई दिये।

सामयिक

सस्ती एवं नकारात्मक राजनीति है लेटरल एंट्री का विरोध

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय नौकरशाही संरचना के प्रभावी एवं परिणामकारी प्रदर्शन को निश्चित रूप से लेटरल एंट्री प्रक्रिया के साथ पूरक किया जा सकता है। लेटरल एंट्री नई बाहरी प्रतिभाओं को लाकर, सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक कल्याण के लिए और अधिक काम एवं प्रभावी काम करने के लिए प्रेरित करके नियमित सरकारी अधिकारियों को पूरक कर सकते हैं, लेकिन लेटरल एंट्री की प्रणाली को अधिक समावेशी, पारदर्शी और असरदार बनाने के लिए एक निश्चित नीति के साथ आगे बढ़ने एवं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर सकारात्मक रवैया अपनाना देश विकास के लिये जरूरी प्रतीत होता है। इसके लिये वर्तमान नरेन्द्र मोदी सरकार ने जो कदम उठाया है, उस पर राजनीति करने करने की बजाय उसमें देशहित को सामने रखा जाना चाहिए। वैश्वीकरण ने शासन के काम को अत्यंत जटिल बना दिया है और यही वजह है कि इस क्षेत्र में विशेषज्ञता और कौशल की मांग पहले से बहुत अधिक बढ़ गई है। अर्थव्यवस्था और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में थिंक-टैंकों की आवश्यकता के मद्देनजर तथा अन्य ऐसे विभागों में जहाँ विशिष्ट प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता होती है, लेटरल एंट्री से संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की जानी प्रांसगिक एवं उपयोगी कदम है।

संघ लोकसेवा आयोग ने केंद्र सरकार के 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव की भूमिकाओं के लिए प्रतिभाशाली, कार्यक्षम और दक्ष भारतीय नागरिकों से 45 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करके सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री (सीधी भर्ती) का स्वागतयोग्य एवं सराहनीय प्रयोग कर रहा है। भले ही इस मुद्दे को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों में विरोध के स्वर देखने को मिल रहे हैं। वैसे भी ऐसे राजनीतिक लोगों एवं दलों की आंखों में किरणें आंज दी जाये तो भी वे यथार्थ को नहीं देख सकते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। विपक्षी दलों विशेषत: कांग्रेस ने एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों के आरक्षण की उपेक्षा के लिए सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री नीति की आलोचना की है। जबकि भारत में सिविल सेवाओं में लेटरल एंट्री का तात्पर्य सरकार के मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तर पर पेशेवरों एवं प्रतिभाशाली कर्मियों की भर्ती से है। जिसमें प्रतिभाशाली एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य विशिष्ट कौशल और विशेषज्ञता लाना है जो पारंपरिक नौकरशाही ढांचे में उतनी प्रभावी प्रतीत नहीं हो रही है। कई संभावित और अच्छे प्रशासक हैं जो अपनी कम उम्र के दौरान सरकार द्वारा आयोजित परीक्षाओं में भाग नहीं लेते हैं। लेटरल एंट्री उन्हें शासन तंत्र का हिस्सा बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है। नया भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत निर्मित करने में इन प्रतिभाओं का उपयोग होना राष्ट्र में एक नयी रोशनी का अवतरण हो सकता है।

देखा यह गया है कि जब भी ब्यूरोक्रेसी में सुधार की चर्चा होती है, तो इसका विरोध होने लगता है, जो विरोधाभासी एवं विडम्बनापूर्ण होने के साथ-साथ संकीर्ण राजनीति का द्योतक हैं। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों की ओर से जिस तरह लेटरल एंट्री पर आपत्ति जताई जा रही है, वह यही बताती है कि नकारात्मक राजनीति की जा रही है। यह आश्चर्जनक है कि ऐसे देश-विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के निर्णयों एवं मुद्दों का विरोध करने की राजनीति की कमान राहुल गांधी अपने हाथ में लेते हुए दिख रहे हैं। कम से कम उन्हें तो इससे बचना चाहिए, क्योंकि राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वित्त सचिव के रूप में मनमोहन सिंह की नियुक्ति लेटरल एंट्री ही थी और वह भी बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के। भारत में लेटरल एंट्री कोई नई बात नहीं है। पहले भी भारत में इसका फायदा उठाया जा चुका है। मुख्य आर्थिक सलाहकार की नियुक्ति लेटरल एंट्री से ही की जाती रही है। पूर्व आर्थिक सलाहकार मोंटेक सिंह अहलूवालिया, आधार की नींव रखने वाले नंदन नीलेकणि जैसी बड़ी हस्तियां इसी के जरिए प्रशासन में शामिल हुईं। यह व्यवस्था तदर्थ आधार पर की गई है, यह संस्थागत नहीं है। लेटरल एंट्री की व्यवस्था सिर्फ भारत में ही है। ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड और बेल्जियम जैसे पश्चिमी देशों में पहले से ही सभी क्षेत्रों के योग्य कर्मियों के लिए विशिष्ट सरकारी पदों को खोल दिया है। यह नौकरी के लिए बेहतरीन प्रतिभाओं को आकर्षित करने का एक बेहतर तरीका पाया गया है।

स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। इसके विपरीत वर्तमान सरकार एक तय प्रक्रिया के तहत लेटरल एंट्री कर रही है। इसी कारण इसकी जिम्मेदारी संघ लोक सेवा आयोग को दी गई है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों को यह भी पता होना चाहिए कि लेटरल एंट्री के जरिये जो नियुक्तियां की जा रही हैं, वे अस्थायी हैं। ये नियुक्तियां केवल तीन वर्ष के लिए हैं और उनमें अधिकतम दो वर्ष की वृद्धि की जा सकती है। प्रशासन में सुधार की हर पहल को आरक्षण से जोड़ना केवल यही नहीं बताता कि वोट बैंक की सस्ती राजनीति अनियंत्रित हो रही है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि आरक्षण को हर मर्ज की दवा मान लिया गया है। यह ठीक नहीं कि होनी को अनहोनी बनाने का प्रयत्न हो।

वैसे लेटरल एंट्री राष्ट्रहित का मुद्दा है। जिस पर 2002 की संविधान समीक्षा आयोग ने भी सिफ़ारिश वकालत की। मनमोहन सिंह के समय 2005 की द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर लेटरल एंट्री के लिए एक संस्थागत और पारदर्शी प्रक्रिया की सिफारिश की। स्पष्ट है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने शासन के समय सुधार की दिशा में उठाए गए कदम का विरोध कर रही है। नीति आयोग ने अपने तीन-वर्षीय कार्य एजेंडा में लेटरल एंट्री के विचार का समर्थन किया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि लेटरल एंट्री से विशेष ज्ञान और प्रशासनिक कौशल को शामिल करके शासन में सुधार की क्षमता को विकसित किया जा सकता है। शासन में सचिवों का क्षेत्रीय समूह ने भी लेटरल एंट्री प्रणाली का समर्थन किया। यह तर्क दिया गया कि लेटरल एंट्री प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले पेशेवरों को पेश करके सार्वजनिक सेवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाया सकता है और उसे उच्च परिणामकारी बनाया जा सकता है।

विरोध के लिये विरोध करने की सोच एवं उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक नीति के द्वारा किसी का भी हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होती। राहुल गांधी और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से यह जो माहौल बनाया जा रहा है कि लेटरल एंट्री के जरिये विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों की नियुक्तियों से आरक्षित वर्गों के हितों को नुकसान होगा, उसका इसलिए कोई औचित्य नहीं, क्योंकि यह कहीं नहीं कहा गया है कि इन वर्गों के लोग आवेदन नहीं कर सकते। राहुल गांधी किस तरह अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए एक झूठा विमर्श खड़ा रहे हैं, इसका पता इससे भी चलता है कि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय स्वयं उन्होंने पूर्व सैन्य अधिकारियों को लेटरल एंट्री के जरिये सिविल सेवाओं में शामिल करने का वादा किया था। लेटरल एंट्री का उद्देश्य है कि जहां कहीं भी कुशल और जानकार लोग हों, उनकी प्रशासन के संचालन में सेवाएं ली जाएं, ताकि सरकारी नीतियों और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। इसमें कोई दो राय नहीं कि ब्यूरोक्रेसी में सुधार की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा करने से पहले इसे राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त करने की भी आवश्यकता है।

राजनीतिक रूप से मजबूत और स्थिर नरेंद्र मोदी की सरकार ने कंपनियों के दिवालिया होने से जुड़े विवादों के निपटारे, जीएसटी लागू करने, नोटबंदी और कृषि क्षेत्र जैसे कई अहम सुधार किए हैं। मोदी सरकार ने श्रम कानूनों को भी सरल बनाया है। लेकिन, इन सुधारों को लेकर उन्हें उस वक्त के मुकाबले कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है, जब पहले पहल इन सुधारों का प्रस्ताव रखा गया था। लेटरल एंट्री जैसे मुद्दे पर भारी विरोध के बादल मंडरा सकते हैं, इसके लिये भाजपा और साथ ही मोदी सरकार को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि विपक्षी दल उसके खिलाफ झूठा नरेटिव खड़ा कर जनता को गुमराह न करने पाएं।

राजनीतिक रूप से मजबूत और स्थिर नरेंद्र मोदी की सरकार ने कंपनियों के दिवालिया होने से जुड़े विवादों के निपटारे, जीएसटी लागू करने, नोटबंदी और कृषि क्षेत्र जैसे कई अहम सुधार किए हैं। मोदी सरकार ने श्रम कानूनों को भी सरल बनाया है। लेकिन, इन सुधारों को लेकर उन्हें उस वक्त के मुकाबले कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है, जब पहले पहल इन सुधारों का प्रस्ताव रखा गया था। लेटरल एंट्री जैसे मुद्दे पर भारी विरोध के बादल मंडरा सकते हैं, इसके लिये भाजपा और साथ ही मोदी सरकार को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि विपक्षी दल उसके खिलाफ झूठा नरेटिव खड़ा कर जनता को गुमराह न करने पाएं।

नजरिया

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव तय करेंगे वैश्विक शांति की दिशा

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

आज पूरा विश्व वैश्विक-युद्ध की आशंका से ग्रस्त है और विगत 2 वर्षों से ज्यादा समय से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध एवं इसराइल हमास युद्ध में फिलिस्तीन तथा इसराइल के लगभग 40 से 50 हजार निर्दोष सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं। पूरा विश्व वैश्विक युद्ध की कगार पर बैठा हुआ है। यदि रूस ईरान या अन्य एक देश भी परमाणु हथियार इस्तेमाल करता है तो भारी वैश्विक विनाश की संभावना बलवती हो जाएगी। ऐसे में अमेरिका में नए राष्ट्रपति के चयन पर सारी बात निर्भर करती है। अमेरिका का अगला राष्ट्रपति ही वैश्विक शांति और अशांति की दशा तथा दिशा तय करेंगे। भारत के बाद अमेरिका दूसरा बड़ा प्रजातांत्रिक देश है प्रजातंत्र, लोकतंत्र में सदैव निष्पक्ष चुनाव बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। अमेरिका में इस बार राष्ट्रपति चुनाव नवंबर में संपन्न होनें जा रहे है सबसे बड़े बलशाली, शक्तिशाली देश को अगला राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति मिल जाएगाश्र रिपब्लिकन पार्टी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बार फिर चुनाव लड़ रहे हैं। पिछली बार वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने डोनाल्ड ट्रंप को पराजित सत्ता हासिल की थी पर इस बार जो बाइडेन मैदान में जरूर थे किन्तु चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप से चुनावी बहस के दौरान अपने खराब प्रदर्शन के कारण उनके स्थान पर डेमोक्रेटिक पार्टी की ही उम्मीदवार वर्तमान की पूर्व उपराष्ट्रपति भारतीय मूल की कमला हैरिस को उनके स्वास्थ्यगत कारणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार घोषित किया है।

चुनाव प्रचार के शुरुआती दौर में डोनाल्ड ट्रंप आगे चल रहे थे पर कमला हैरिस के राष्ट्रपति की उम्मीदवारी की घोषणा से डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के कई राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस से पीछे हो गए हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले अमेरिका के उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ है और अमेरिका में किए गए सर्वे के हिसाब से डोनाल्ड ट्रंप कमला हैरिस से कुछ प्रतिशत पीछे चल रहे हैं। एसोसिएट प्रेस के एसोसिएट ऑफ पब्लिक अफेयर्स रिसर्च के अनुसार अमेरिका के वयस्क मतदाताओं लगभग 48 प्रतिशत की पसंद कमला हैरिस बताई जाती हैं। कमला हैरिस के शुरुआत के चुनावी प्रचार में कम प्रतिशत पसंद की उम्मीदवार थी। इसके बाद राष्ट्रपति जो बाईडेन के चुनावी मैदान से हटने के बाद कमला हैरिस ने अपनी लोकप्रियता में अपनी मेहनत और मशक्कत से काफी बढत हासिल की है,उन्होंने लोकप्रियता में वर्तमान तथा पूर्व राष्ट्रपति दोनों को काफी पीछे छोड़ दिया है। जो बाईडेन को 39 प्रतिशत अमेरिकी मतदाता पसंद करते थे किंतु अब स्थिति बदल गई है कमला हैरिस की उम्मीदवारी घोषित होते ही कमला हैरिस अब 41 से 43 प्रतिशत मतदाताओं की पहली पसंद बताई जा रही हैं। भारतीय मूल की कमला हैरिस को भारतीय मूल के मतदाताओं का पूरा समर्थन तो मिलेगा ही साथ में उनका पूरा डेमोक्रेटिक दल इस चुनाव में कमर कस के उनके साथ ऐसे कार्यक्रमों में शिरकत करने की योजना बना रहा है जहां ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं की भीड़ एकत्र होगी, ऐसे में खेल के मैदानों को भी प्रचार का हिस्सा बनाया जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कई कार्यक्रमों में कमला हैरिस पर व्यक्तिगत टिप्पणी कर मतदाताओं को नाराज भी कर लिया है और उनके साथ चुनाव प्रचार करने वाले सलाहकारों ने भी डोनाल्ड ट्रंप को इन सबसे बचने की सलाह दी है किंतु डोनाल्ड ट्रंप आम सभाओं में अपने आप को कमला हैरिस पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने से रोक नहीं पाते हैं। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार तेजी पकड़ता जा रहा है डोनाल्ड ट्रंप धीरे-धीरे पीछे होते जा रहे हैं। यह तो तय है कि कमला हैरिस या डोनाल्ड ट्रंप के जीतने से रूस यूक्रेन युद्ध इजराइल हमास फिलिस्तीन युद्ध की दिशा और दशा तय होगी। जाहिर तौर पर कमला हैरिस यदि जीतती हैं तो उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी की पूर्व निर्धारित नीतियों पर ही चलना होगा और उन नीतियों को अमल करते हुए वह यूक्रेन को रूस के विरुद्ध युद्ध में मदद जारी रखेगी, अमेरिका अब तक यूक्रेन को अब तक 9 लाख की मदद कर चुका है एवं जो बाईडेन ने आगे भी मदद करने का आश्वासन दिया है। निश्चित तौर पर कमला हैरिस भी जो बाईडेन की नीतियों पर अमल करेंगीं, यदि पूर्व राष्ट्रपति की नीतियों पर नहीं भी चलेगी तो भी यूक्रेन की मदद करना उनकी बड़ी जिम्मेदारी और मजबूरी होगी। दूसरी तरफ इसराइल हमास युद्ध में हमास, फिलिस्तीन, ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला एवं हमास के समर्थन में खड़े खाड़ी के देशों के विरुद्ध इसराइल को खुला समर्थन देना होगा।

यह बात अलग है कि अभी अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 9वीं बार इसराइल हमास युद्ध के बीच इसराइल गाजा युद्ध की समाप्ति और बंधकों की रिहाई संबंधी समझौता वार्ता आगे बढ़ाने के लिए पहुंचे हैं। हालांकि इजरायल की एजेंसी के अनुसार हमास की हठधर्मिता के कारण हर बार समझौता असफल होने का कारण बताया जा रहा है। ईरान की धमकियों के बाद अमेरिका सीधे-सीधे इसराइल तथा हमास, ईरान, इराक, कतर तथा मिश्र से यह उम्मीद जताई है यूद्ध विराम के लिए में ये लोग समझौते के लिए राजी हो सकते हैं। दूसरी तरफ यदि डोनाल्ड ट्रंप अगले राष्ट्रपति होंगे तो यही परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आएगा। डोनाल्ड ट्रंप रूस के साथ अच्छे संबंधों की दुहाई देकर रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने का प्रयास करेंगे।इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप भी इसराइल हमास युद्ध में बड़े मध्यस्थ की भूमिका निभाने की स्थिति में रहेंगे। वैसे डोनाल्ड ट्रंप की पिछले कार्यकाल की यह नीति रही है कि वे सदैव युद्ध के विरुद्ध शांति के पक्षधर रहे हैं। इसी दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड तथा यूक्रेन की दो दिवसीय यात्रा पर जाने वाले हैं संभवत प्रधानमंत्री मोदी रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए बीच का रास्ता निकाल कर समझौते की बात भी कर सकते हैं। खैर परिणाम तो भविष्य ही बताएगा। लेकिन यह तो तय है कि अमेरिका में चुनाव वैश्विक राजनीति में बहुत गहरा प्रभाव रखते हैं और नए राष्ट्रपति के चुनाव के बाद ही पूरे परिदृश्य में वैश्विक बदलाव नजर आएगा।

डोनाल्ड ट्रंप की पिछले कार्यकाल की यह नीति रही है कि वे सदैव युद्ध के विरुद्ध शांति के पक्षधर रहे हैं। इसी दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड तथा यूक्रेन की दो दिवसीय यात्रा पर जाने वाले हैं संभवत प्रधानमंत्री मोदी रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए बीच का रास्ता निकाल कर समझौते की बात भी कर सकते हैं। खैर परिणाम तो भविष्य ही बताएगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जलभराव

नई दिल्ली में मंगलवार को आईटीओ पर भारी बारिश के बाद जलभराव वाली सड़क से वाहन गुजरते हुए ।

कमला हैरिस 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी : बाइडन

शिकागो/भाषा

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार रात डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान आधिकारिक तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी। उन्होंने कमला को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति करार देते हुए कहा कि वह एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी। बाइडन (81) जब शिकागो में आयोजित डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे, तो वहां मौजूद हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया।

इस सम्मेलन के दौरान कमला (59) बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी स्वीकार करेंगी। पांच नवंबर को प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) से होगा।

बाइडन ने उत्साह से भरपूर नेताओं और कार्यकर्ताओं से सवाल किया, क्या आप कमला हैरिस को अमेरिकी की राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने देशवासियों से कमला के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

बाइडन ने दावा किया कि कमला एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी। उन्होंने कहा, मुझे अपने काम से प्यार है। मुझे अपने देश से और भी ज्यादा प्यार है। हमें अपने लोकतंत्र को बचाए

रखने की जरूरत है। हमें डोनाल्ड ट्रंप को हराने और कमला (हैरिस) व टिम (वाल्ज) को क्रमश: अमेरिका का राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति चुनने के लिए आपकी जरूरत है। बाइडन ने कहा कि ट्रंप को 2024 में महिलाओं की ताकत का अंदाजा लगेगा। उन्होंने कहा कि कमला जल्द अमेरिका की 47वीं राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं देंगी। बाइडन ने कहा, अमेरिका का भविष्य देशवासियों के हाथों में हैं। हमने 2020 में लोकतंत्र की रक्षा की और हमें 2024 में फिर ऐसा करना है। उन्होंने कहा, अमेरिका, अमेरिका, मैंने अपने स्तर पर आपकी सर्वश्रेष्ठ सेवा की । मैंने अपने करियर में कई गलतियां कीं, लेकिन मैंने अपने स्तर पर आपकी सर्वश्रेष्ठ सेवा की।

बाइडन ने कहा, मैं आपसे पूछता हूं : क्या आप आजादी के लिए मतदान करने को तैयार हैं। क्या आप अमेरिका के लिए, लोकतंत्र के लिए मतदान करने को तैयार हैं। और मैं आपसे पूछता हूं : क्या आप कमला हैरिस और टिम वाल्ज को (क्रमश:) राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनने को तैयार हैं।

चार दिवसीय डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में बाइडन की बेटी ऐश्ले ने उनका स्वागत किया।

हर उम्र में लोगों को सक्रिय बने रहना चाहिए : धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि लोगों को हर उम्र में सक्रिय बने रहना चाहिए और काम के लिए आयु सीमा होने की धारणा का कोई आधार नहीं है। उन्होंने यहां राज्यसभा इंटर्न के एक समूह को संबोधित करते हुए इस भारतीय दर्शन का हवाला दिया कि ''कर्म ही पूजा है।'

' धनखड़ ने कहा, ''हमें आखिरी सांस तक काम करते रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''काम करने के लिए एक उम्र सीमा होने की धारणा का कोई आधार नहीं है। व्यक्ति को ताउम्र सक्रिय रहना चाहिए।''

पाकिस्तान में हिंदुओं ने मनाया रक्षाबंधन; पीपीपी नेता ने बिलावल भुट्टो को बांधी राखी

पेशावर/कराची/भाषा। पाकिस्तान में हिंदू समुदाय, विशेषकर उत्तर-पश्चिमी शहर पेशावर और दक्षिणी शहर कराची में रहने वाले लोगों ने रक्षाबंधन का त्योहार उत्साह के साथ मनाया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की एक हिंदू सीनेटर ने पार्टी के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी को राखी बांधी।

सोमवार को रक्षाबंधन का त्योहार मनाए जाने से पहले शहर के कई मंदिरों के परिसर में अलग-अलग रंगों और डिजाइन वाली राखियां बेचने के लिए अस्थायी दुकानें खोली गईं। दुकानदारों ने राखी के साथ-साथ पूजा में इस्तेमाल होने वाली दूसरी चीजें भी बेचीं।

थारपारकर सिंध से पीपीपी की सीनेटर कृष्णा कुमारी ने पार्टी अध्यक्ष बिलावल को राखी बांधी। पीपीपी नेता को राखी बांधने का एक वीडियो साझा करते हुए, कुमारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''रक्षाबंधन की शुभकामनाएं। अध्यक्ष बिलावल भुट्टो का शुक्रिया।'' कुमारी ने बिलावल की बहनों आसिफा जरदारी और बख्तावर बी जरदारी को भी इस पोस्ट में टैग किया।

पेशावर में कड़ी सुरक्षा के बीच त्योहार मनाया गया। त्योहार के मद्देनजर शहर और छावनी क्षेत्रों में मंदिरों के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई।

शहर के झंडा बाजार स्थित एक मंदिर में सुबह के समय पूजा के लिए बड़ी संख्या में हिंदू महिलाएं और युवतियां एकत्रित हुईं और फिर आरती की तैयारी की गई। धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के बाद महिलाओं ने अपने भाइयों को राखी बांधी।

लाहौर से संचालित टीवी चैनल 'बोलदा पंजाब' के अनुसार, लाहौर में पुराने कृष्ण मंदिर में भी त्योहार मनाया गया।

इमरान, उनकी पत्नी पर तोशाखाना भ्रष्टाचार का तीसरा मामला दर्ज

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ मंगलवार को तोशाखाना भ्रष्टाचार का एक नया मामला दर्ज किया।

यह तोशाखाना का तीसरा मामला है, जिसमें पहला मामला पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग द्वारा खान के खिलाफ दायर किया गया था, जबकि दूसरा मामला राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा 71 वर्षीय खान और 50 वर्षीय बीबी दोनों के खिलाफ दायर किया गया था।

युवराज मोहम्मद ने यमन में युद्ध के आदेश पर अपने पिता के जाली हस्ताक्षर किए थे : पूर्व सऊदी अधिकारी

दुबई/एपी। सऊदी अरब के एक पूर्व अधिकारी साद अल-जाबरी ने सोमवार को आरोप लगाया कि युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध की शुरुआत करने के लिए एक शाही आदेश पर अपने पिता के जाली हस्ताक्षर किए थे।

सऊदी अरब की ओर से अल-जाबरी के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने सोमवार को ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) पर प्रकाशित साक्षात्कार में यह आरोप लगाया। हालांकि उन्होंने आरोपों को समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। बाद में अल-जाबरी ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को भेजे विस्तृत बयान में इन आरोपों को दोहराया है।

कनाडा में निर्वासन में रह रहे पूर्व मेजर जनरल और खुफिया अधिकारी अल-जाबरी का काफी समय से सऊदी अरब के शासकों से विवाद रहा है। अल-जाबरी का कहना है कि उनके दो बेटों को एक मामले में जेल में डाल दिया गया है ताकि उन्हें सऊदी अरब लौटने पर मजबूर होना पड़े। उन्होंने 'एपी' को बताया, मैं एक असंतुष्ट व्यक्ति नहीं हूं, न ही मैं अपनी इच्छा से इस स्थिति में पहुंचा हूं। मैं सऊदी अरब में एक उच्चस्तरीय अधिकारी था, जिसने खुद को देश की सुरक्षा के लिए समर्पित कर दिया। मुझे हजारों सऊदी और पश्चिमी देशों के निवासियों की जान बचाने के लिए जाना जाता है। अब मैं एक पिता होने के नाते अपने बच्चों को रिहा कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा हूं।

सऊदी अरब के बादशाह सलमान (88) के बेटे और उत्तराधिकारी मोहम्मद अकसर अपने पिता की जगह नेताओं से मुलाकात करते हैं, ऐसे में अल-जाबरी के आरोप महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

अल-जाबरी ने बीबीसी को बताया कि सऊदी अरब के गृह मंत्रालय से जुड़े एक भरोसेमंद अधिकारी ने उन्हें बताया था कि युवराज मोहम्मद ने युद्ध छेड़ने के लिए एक आदेश पर अपने पिता की जगह खुद हस्ताक्षर किए थे। उस समय मोहम्मद रक्षा मंत्री हुआ करते थे।

बाद में, अल-जाबरी ने एपी को बताया कि उन्होंने यमन में हूती खतरों को खत्म करने, संघर्ष करने और जमीनी हस्तक्षेप के बिना राजनीतिक व्यवस्था को लागू करने के उद्देश्य से हवाई हमलों की शुरुआत करने के लिए तत्कालीन ओबामा प्रशासन के साथ एक समझौता किया था।

अल-जाबरी ने कहा कि सऊदी अरब के तत्कालीन गृह मंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन नायेफ ने उस योजना को औपचारिक रूप देने के लिए सऊदी अरब में एक बैठक की अध्यक्षता की थी।

स्वागत

अमेठी में मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पार्टी नेताओं द्वारा स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री की आगामी यूक्रेन यात्रा एक अच्छा संकेत: शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूक्रेन की आगामी यात्रा एक अच्छा संकेत है और इसकी सराहना की जाएगी।

मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ वार्ता करने के लिए यूक्रेन की राजधानी कीव जाएंगे। थरूर ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि यह अच्छी बात है कि भारत दोनों युद्धरत देशों रूस और यूक्रेन के प्रति कुछ हद तक चिंता दिखा रहा है।

पूर्व विदेश राज्य मंत्री थरूर ने कहा, ''कई लोगों का मानना है कि भारत आज दुनिया के अधिकांश संघर्षों को लेकर तटस्थ भूमिका में है। दोनों पक्षों के लिए कुछ हद तक चिंता दिखाना अच्छा होगा, जैसा कि उन्होंने (मोदी ने) मास्को में किया था। अब उस देश जाकर राष्ट्रपति जेलेंस्की का अभिवादन करना एक बहुत अच्छा संकेत होगा।''

हालांकि, उन्होंने कहा कि शांति कायम करने में भारत की कोई भूमिका केवल युद्धरत देशों के अनुरोध पर ही हो सकती है। थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री का यूक्रेन जाना अपने आप में एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ अच्छा होता है तो यह और भी बेहतर होगा। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य थरूर ने कहा, ''लेकिन यह एकमात्र पैमाना नहीं होना चाहिए।''

थरूर ने कहा कि जब युद्ध शुरू हुआ तो वह भारत के रुख की बहुत आलोचना करते थे, क्योंकि उसने (भारत) संप्रभु सीमा के उल्लंघन और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की अवहेलना की निंदा करने से मना कर दिया था। थरूर ने कहा कि जब भारत ने यूक्रेन के साथ भी मदद का रुख अपनाया तो उन्हें अपना रुख बदलना पड़ा।

थरूर ने कहा, ''मैं उन सिद्धांतों के आधार पर काफी आलोचनात्मक था, जिनका भारत हमेशा से पालन करता रहा है। लेकिन भारत यूक्रेन को भी मानवीय सहायता भेजता रहा है। हम संघर्ष के दोनों पक्षों के साथ अच्छे संबंध कायम रखे हुए हैं, इसलिए यह दोनों देशों के लिए मित्रता की स्थिति है।''

हिरासत

कोलकाता में मंगलवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेती हुई।

फिल्म 'छावा' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की आने वाली फिल्म छावा का टीजर रिलीज हो गया है। विक्की कौशल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 'छावा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें विक्की कौशल का बेहद अलग और दमदार लुक देखने को मिल रहा है। मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर जारी करने के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। फिल्म छावा इसी साल 06 दिसंबर को रिलीज होगी।

फिल्म छावा में विक्की कौशल ,छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं।

इस फिल्म में रश्मिका मंदाना भी हैं, जो छत्रपति संभाजी माहाराज की पत्नी येसुबाई भोंसले का रोल निभा रही हैं। इसके अलावा फिल्म में अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा और दिव्या दत्ता भी लीड रोल में हैं। फिल्म छावा का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है और मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजान द्वारा इस फिल्म को निर्मित किया गया है। छावा के टीजर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुये विक्की कौशल ने कैप्शन में लिखा,स्वराज्य के रक्षक, धर्म के रक्षक। छावा- एक साहसी योद्धा के महाकाव्य की गाथा।

रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' 10 अक्टूबर को होंगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। लाइका प्रोडक्शन ने 'वेट्टैयन' की रिलीज की तारीख की घोषणा की है। उन्होंने रजनीकांत एक नया पोस्टर जारी किया है, इसके कैप्शन में लिखा है टारगेट लॉक्ड 'वेट्टैयन' 10 अक्टूबर, 2024 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। सुपरकॉप के रूप में सुपरस्टार तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में रिलीज हो रही है। फ़िल्म

'वेट्टैयन' में रजनीकांत एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे।

टीजे ज्ञानवेल निर्देशित इस फिल्म में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, फहद फासिल, राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह और दुशरा विजयन मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म 'दुल्हन वही जो धन लाए' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत और मणि भट्टाचार्या की बहुप्रतीक्षित फिल्म दुल्हन वही जो धन लाए का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है। फिल्म दुल्हन वही जो धन लाए ट्रेलर को 3आर फिल्म्स एंड प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है, जिसका निर्देशन और लेखन इश्तियाक शेख बंटी ने किया है। इश्तियाक शेख बंटी ने बताया, मेरा होम प्रोडक्शन 3आर फिल्म्स एंड प्रोडक्शंस मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि इसका नाम मेरी तीन प्यारी बेटियों - रिफ़ा, रिदा और रिज़ा के नाम पर रखा गया है। इसी बैनर के तहत मैंने 'दुल्हन वही जो धन लाए' बनाई है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि किस तरह से दहेज लोभी परिवार की लालच और हिंसा एक भूतिया घटना में बदल जाती है। इसके साथ ही, फिल्म में सामाजिक संदेश के साथ मनोरंजन का तड़का भी भरपूर मिलेगा। फिल्म के निर्माता विनय सिंह और इश्तियाक शेख बंटी हैं, जबकि इसका प्रस्तुतिकरण अविनाश रोहरा की एक्चुअल मूवीज़ एलएलपी द्वारा किया गया है। इश्तियाक शेख बंटी ने दर्शकों से अपील की है कि वे ट्रेलर देखें और अपने विचार साझा करें। उनका कहना है, मैं वास्तव में आपसे सुनने के लिए उत्सुक हूं। दुल्हन वही जो धन लाए दर्शकों को दहेज प्रथा की भयावहता और इसके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों को समझाने के साथ ही मनोरंजन का बेहतरीन अनुभव देने के लिए तैयार है।

विक्रांत सिंह राजपूत ने फिल्म दुल्हन वही जो धन लाए को लेकर अपनी उत्सुकता और विचार साझा करते हुए कहा, यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि इसमें दहेज प्रथा जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दे को उठाया गया है, जिसे हमारे समाज से जड़ से उखाड़ फेंकने की जरूरत है। फिल्म में मेरे किरदार के माध्यम से, मैं इस प्रथा के खिलाफ एक मजबूत संदेश देना चाहता हूं।दुल्हन वही जो धन लाए में हॉरर के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश है, जिसे दर्शक बेहद पसंद करेंगे।

इस फिल्म में काम करना मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा, और मैं इसके जरिए दर्शकों के दिलों तक पहुंचने की उम्मीद करता हूं। फिल्म दुल्हन वही जो धन लाए मेंविक्रांत सिंह राजपूत ,मणि भट्टाचार्या ,ज्योति मिश्रा, अमित शुक्ला, जे. नीलम, अयाज खान, दीपिका सिंह, सचिन श्रीवास्तव, और राहुल राजपूत जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म का संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किया है, जबकि इसके गीत प्यारेलाल यादव ने लिखे हैं।

श्रद्धा आर्या ने आध्यात्मिक आनंद के बीच मनाया जन्मदिन

मुंबई/एजेन्सी

'कुंडली भाग्य' स्टार श्रद्धा आर्या ने शनिवार को 37वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने भगवान का आशीर्वाद भी लिया। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर अपने जन्मदिन पर आयोजित पूजा की तस्वीरें शेयर कीं और कहा कि वह प्रार्थना करती हैं कि हर महिला का सम्मान, सुरक्षा और देखभाल की जाए। उन्होंने ब्रह्मा कुमारियों की एक तस्वीर भी शेयर की, जो मानते हैं कि सभी आत्माएं स्वभाव से अच्छी हैं और भगवान सभी अच्छाइयों का स्रोत हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन दिया: इस जन्मदिन पर मैं आशा और प्रार्थना करती हूं कि हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और देखभाल मिले, ताकि उनका जन्म और अस्तित्व एक सच्चा उत्सव बन सके। हम अभी जहां हैं, उससे बहुत दूर हैं लेकिन फिर भी उम्मीद कर रहे हैं।

यह 2006 में था, श्रद्धा ने दक्षिण स्टार नयनतारा के साथ एसजे सूर्या की तमिल फिल्म कलवानिन कधाली में मुख्य भूमिका के रूप में अपनी फिल्म की शुरुआत की। वह हिंदी फिल्म निशब्द और तेलुगु फिल्म गोडावा में वैभव रेड्डी के साथ नजर आई थीं। उन्होंने 'मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की', 'तुम्हारी पाखी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसे शो में काम किया है। 2017 से, उन्होंने कुंडली भाग्य में डॉ. प्रीता अरोड़ा की भूमिका निभाई है। कुंडली भाग्य, एक रोमांटिक ड्रामा, लोकप्रिय टीवी शो कुमकुम भाग्य की स्पिन-ऑफ श्रृंखला है, इसमें मनित जौरा भी हैं। अभिनेता धीरज धूपर को बाद में 2022 में शक्ति अरोड़ा द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। शक्ति आनंद ने बाद में 2023 में शक्ति अरोड़ा का स्थान लिया। शो में वर्तमान में पारस कलनावत, सना सैयद और बसीर अली दूसरी पीढ़ी के मुख्य कलाकार हैं। शनिवार को, उनके सह-कलाकार धीरज धूपर ने अभिनेत्री को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर श्रद्धा के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं और कामना की कि वह बड़ी, बेहतर और मजबूत बनें। अभिनेता ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो ! कामना करता हूं कि इस वर्ष आप बड़ी, बेहतर और मजबूत बनें।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने द्वय गुरु श्रमण सूर्य मरुधर केसरी मिश्रीमलजी व वरिष्ठ प्रवर्तकश्री रूपचन्दजी रजत की जयंती समारोह के सप्त दिवसीय कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सामायिक दिवस पर सामायिक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समभाव की साधना ही सामायिक है।

धन से नहीं, गुणों से बनने चाहिए ट्रस्टी : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में मंगलवार को विशाल धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचाय विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि श्रावकों के आचार-विचार और ट्रस्टियों की योग्यताओं व कर्तव्यों के लिये जैन परंपरा में अनेक प्राचीन ग्रंथों की रचना हुई है। श्रद्धा, समर्पण, भक्ति-भावना, ज्ञान, योग्यता और गुणों के बिना बनाये जाते ट्रस्टियों को जैनशास्त्रों ने गलत माना हैं, नकारा हैं। जिनके पास न्यूनतम भी योग्यता नहीं हों, ऐसे हजारों लोग आज समाज में ट्रस्टी बनकर धर्मसंघ की सेवा नहीं, हुकूमत करते हैं।

हजारों ऐसे ट्रस्टी हैं, जिन्होंने मंदिरों और धर्मस्थानकों को भक्ति और साधना का नहीं, व्यापार का केंद्र बना दिया है। वे श्रद्धालुओं से सिर्फ पैसे ऐंठने का काम करते हैं। ऐसी संस्थाओं में मनमानी और भ्रष्टाचार भी खूब चलता है। यह सब धर्म और अध्यात्म का मार्ग नहीं है। जैन परंपरा में निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार दान लेने-देने का निर्देश हैं। जिस उद्देश्य के लिए दान लिया गया हों, वह उसी उद्देश्य में खर्च करना आवश्यक है। धर्मशास्त्र दान लेकर उसे इक्कट्ठा करने या उसकी फिक्स डिपॉजिट करवाने अथवा उस पर लोन लेने को सही नहीं मानते। इस प्रकार करने से धर्मक्षेत्र और समाज में भ्रष्टाचार पनपता है।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी धार्मिक सामाजिक संस्था के ट्रस्टी वंश परंपरागत नहीं होने चाहिए। यह सर्वथा गलत और हानिकारक व्यवस्था है। फिर धन के आधार पर किसी को ट्रस्टी बनाना भी अत्यंत गलत परंपरा है। वर्तमान में जैन समाज में यह घातक परिपाटी व्यापक रूप से फैलती जा रही है। हकीकत में ट्रस्टी धन के आधार पर नहीं, गुणों और योग्यताओं के आधार पर बनाये जाने चाहिए। धन देकर तो अयोग्य और गुणहीन भी पदाधिकारी बन जाएंगे ऐसे लोग धर्म और समाज के हितों की रक्षा नहीं कर सकेंगे। समाज के साधु-साध्वी और गुणवान लोग इनसे बहुत परेशान हैं। सभी ट्रस्टियों की कार्य क्षमता, मनःस्थिति, विचारधारा और संस्था के उद्देश्यों के प्रति निष्ठा जीवनभर एक जैसी रहेगी, यह भी कतई आवश्यक नहीं है। इसलिए जीवनभर भी किसी व्यक्ति को ट्रस्टी बनाकर रखना उस संस्था के हितों को नुकसान पहुंचाना ही है।

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी धार्मिक-सामाजिक संस्था के वंश परंपरागत ट्रस्टी बनाना तो पूरी तरह गलत हैं, क्योंकि वर्तमान युग में किसी की नीति-रीति और विचारधारा के बारे में दावे पूर्वक कुछ भी कहा नहीं जा सकता। पिता जिस धार्मिक संस्था के ट्रस्टी रहे हों, वंशानुगत उनका पुत्र भी उस परंपरा और सिद्धांतों को मानकर चलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

कालांतर में पुत्र की धार्मिक सामाजिक मान्यता बदल जाती है तो ऐसी स्थिति में कानूनन पुत्र के ट्रस्टी बने रहने पर उस धार्मिक संस्था के प्रति अन्याय और अहित ही होगा। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि बुधवार को प्रातः मेघालय के राज्यपाल विजयशंकर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर से विचार-विमर्श और आशीर्वाद हेतु धर्मसभा में पधारेंगे।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित गुरुकुल शिक्षण संस्थान के बच्चों को विद्या सुरक्षा योजना के तहत मारुति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत ने शिक्षण सामग्री व अन्य पाठ्य सामग्री वितरित की।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के एलएनपुरम स्थित शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के नई कार्यकारिणी समिति के शांतिलाल खिंवेसरा, रमेशचंद भंडारी, विनोद संघवी, सुरेशकुमार भंडारी, प्रश्नचंद चंडालिया, नरेंद्रकुमार आच्छा, चंदनमल भंसाली, सज्ज्नराज बरलोटा, जवरीलाल मुथा, प्रकाश आच्छा, महेश आच्छा, चेतनप्रकाश झारमुथा, विकाश आच्छा, दिनेश खिंवेसरा, पुनीत भंसाली ने चामराजपेट स्थित पुष्पांजलि जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजपद्मसागरजी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

आरआर नगर तेरापंथ सभा ने 'युवा गौरव' विमल कटारिया का सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व अध्यक्ष और परामर्शक विमल कटारिया को आचार्यश्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से अभातेयुप के सर्वोच्च अलंकरण 'युवा गौरव' प्रदान करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर राजराजेश्वरीनगर की तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, मनोज डागा, अंकेक्षक गणपतलाल कोठारी, उपाध्यक्ष सरोज बैद, अनिल सुराना, राजेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र नाहटा, सहमंत्री राजेश भंसाली, संगठन मंत्री विनोद बोथरा ने कटारिया के कार्यालय पहुंचकर उनका सम्मान किया।

सर्व दोषों को दूर करने की रामबाण औषधि है सामायिक : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग शिवाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक आराधना भले दो घड़ी (48 मिनिट) की होती है, इसको करने वालों के महापुण्य का उदय व नया पुण्योपार्जन होता है। तीर्थकरों ने सामायिक व्रत यावत जीवन धारण कर संसार के लिए आदर्श उपस्थित किया। सामायिक व्रत का अर्थ किसी भी प्राणी को मन से वचन से काया से दुःख नहीं देना। पूर्ण सत्य बोलना असत्य त्याग, चोरी का त्याग, परिग्रह में अनंत का त्याग ही सामायिक है। कोमलता, मधुरता, सरलता, आचारसंहितामय जैनों की सर्वप्रथम व सर्वश्रेष्ठ जो मोहनीय कर्म को तोड़ने में भारी चोट आत्मा को मारती है, पापों का क्षय कराती है।

सामायिक आराधना को करने वाला श्रेष्ठ नर बनता है। सर्व दोषों को दूर करने की राम बाण औषधि का नाम 'सामायिक' ही है। प्रमोद भावों से सामायिक गुणवत्ता बढ़ती है। गुणियों का गुणगान सामायिक कराती है। आलस्य-अशुभयोग-निदंनीयता को दूर कराने में सामायिक आराधना बहुत ही बड़ी मदद करती है। उत्तम उत्तमोत्तम सामायिक धर्म है। इस मौके पर चेन्नई और बेंगलूरु के विभिन्न संघों से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

धर्म, तप और त्याग से मनाई गई संतश्री प्रतापमुनि की पुण्यतिथि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट, शूले के तत्वावधान में संतश्री बसंतमुनिजी के सान्निध्य में प्रतापमुनिजी की 40 वीं पुण्यतिथि धर्म आराधना और तप त्याग से आयोजित की गई। दादा गुरुदेव प्रतापमुनिजी का गुणानुवाद करते हुए बसंतमुनिजी ने कहा कि प्रतापमुनिजी का जन्म राजस्थान के देवगढ़ मदारिया में हुआ। 12 साल की उम्र में मध्यप्रदेश के मंदसौर में आपकी दीक्षा हुई।

उन्होंने दीक्षा पश्चात प्राकृत भाषा और व्याकरण का गहराई से अध्ययन कर विरासत हासिल की। उन्होंने अनेक शिष्यों और अन्य संप्रदाय के धर्मानुरागियों को इनमें पारंगत किया। उनके शिष्य गौतममुनिजी प्रथम ने जैन धर्म एवं दर्शन का गहराई से स्वाध्याय किया। इस मौके पर विभिन्न संघ के सदस्य सहित अनेक संघों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अपोलो प्रोस्टेट इंस्टीट्यूट ने बढ़े हुए प्रोस्टेट के लिए जल वाष्प थर्मोथेरेपी सेवा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हेल्थकेयर में अग्रणी अस्पताल अपोलो प्रोस्टेट इंस्टीट्यूट ने बढ़े हुए प्रोस्टेट के लिए दक्षिण भारत की पहली जल वाष्प थर्मोथेरेपी सेवा शुरू की है। इस नई, न्यूनतम प्रक्रिया के लिए सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है। बढ़े हुए प्रोस्टेट के इलाज के लिए भाप चिकित्सा, जिसे वैश्विक स्तर पर एक सफल प्रक्रिया के रूप में देखा जाता है। जल वाष्प या भाप चिकित्सा प्रोस्टेट के इलाज के लिए एक नई उपचार पद्धति है और इसे एफडीए द्वारा अनुमोदित किया गया है और हाल ही में इसे भारत में लॉन्च किया गया है। प्रोस्टेट एक गैर-अंतःस्रावी ग्रंथि है जो सभी पुरुषों में मूत्राशय और मूत्र मार्ग के बीच स्थित होती है। यह 25 वर्ष की आयु के बाद आकार में बढ़ना शुरू होता है और 45-50 वर्ष की आयु के दौरान अपने अधिकतम तक पहुँच जाता है, जिस दौरान लोगों को मूत्र संबंधी कुछ लक्षण महसूस होने लगते हैं। इसके अलावा यह हाइपरट्रॉफी (बहुत बड़ा) या अंडर एट्रोफी (छोटा) के रूप में बढ़ सकता है, जो उस व्यक्ति की आनुवंशिक बनावट पर निर्भर करता है।

अपोलो शेषाद्रिपुरम में यूरोलॉजी सेवाओं, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक्स और किडनी प्रत्यारोपण के प्रमुख डॉ. टी. मनोहर ने बताया कि जल वाष्प चिकित्सा या भाप चिकित्सा प्रोस्टेट के विभिन्न क्षेत्रों में 9 सेकंड के लिए 0.45 मिली भाप (100-113 डिग्री सेल्सियस से कम) इंजेक्ट करके की जाती है, जो हल्के बेहोशी या स्थानीय संज्ञाहरण के तहत एक डिस्पोजेबल डिवाइस के माध्यम से अवरोध पैदा कर रहे हैं। प्रक्रिया में 10-15 मिनट लगते हैं और रोगी को उसी दिन छुट्टी दे दी जाती है। अपोलो शेषाद्रिपुरम के डॉ. टी. मनोहर, उपाध्यक्ष और यूनिट हेड उदय दावड़ा, अपोलो हॉस्पिटल्स में कर्नाटक और मध्य क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मनीष मट्टू आदि ने इस नई सेवा को लॉंच किया।

ऊंचा वह जिसके गुण अच्छे : राजेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनिजी ने कहा कि यदि किसी को रूप का मद आ जाता है तो उसे कई भवों तक ऐसे रूप की प्राप्ति नहीं होती। भगवान महावीर को भी पिछले जन्मों में कुल का मद आ गया था तो उन्हें नीचे कुल में जन्म लेना पड़ा और सजा भुगतनी पड़ी। मुनिश्री ने कहा कि जैन धर्म जाति पांति को नहीं मानता और किसी की जाति जन्म से नहीं, बल्कि कर्म से तय होती है। जिसमें अच्छे गुण हैं वह ऊंचा और जो गुणों से हीन है वही नीचा है। इन्हीं कषायों के कारण हम आत्मगुणों का सर्वनाश कर रहे हैं। अपने जीवन को परमार्थ से जोड़कर, अहिंसा को अपना कर सभी प्राणियों को अपने समान समझकर और नैतिकता को अपनाकर हम इन कषायों को कम अवश्य ही कर सकते हैं। सदगुरु के सान्निध्य में पूर्ण विश्वास और श्रद्धा के साथ हमें सच्ची शिक्षा मिलती है और उसी से हमें सही राह मिलती है और हमारा जीवन संवरता है।

'समभाव की साधना ही सामायिक है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने द्वय गुरु श्रमण सूर्य मरुधर केसरी मिश्रीमलजी व वरिष्ठ प्रवर्तकश्री रूपचन्दजी रजत की जयंती समारोह के सप्त दिवसीय कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सामायिक दिवस पर सामायिक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समभाव की साधना ही सामायिक हैं।

सच्चा साधक वही है जो लाभ या हानि, और सुख या दुःख सभी परिस्थितियों में समभाव की साधना करता है। समभाव ही सामायिक है। अतः जो भी कषाययुक्त है उनकी सामायिक विशुद्ध नहीं है। समभाव से ही शांति का उदभव होता है। समत्व की साधना का विकास करने वाला ही आत्म उत्थान के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है। जब तक हम प्रतिकूल व्यवहार को नहीं भूलते हैं, तब तक समता की साधना का विकास असंभव है।

उन्होंने कहा कि प्रतिकूल व्यवहार को भूलना भोलापन या मूर्खता नहीं है बल्कि धार्मिकता की निशानी है। जब हम दूसरों के मनोभावों से प्रभावित होकर अपने मनोभाव को व्यक्त नहीं करेंगे तब ही हृदय में समस्त भाव समता भाव प्रकट होगा और तब ही साधक को सच्चे आत्मिक शांति की प्राप्ति होगी। जितनी भी आत्माएं मोक्ष में गयी हैं और जायेगी वो सब सामायिक, समभाव के कारण ही संभव हैं। श्रावक के बारह व्रतों में भी सामायिक नौवा व्रत प्रमुख है। इस व्रत में ही शेष बाकी व्रत सम्माहित हैं और और उनकी प्रधानता हैं। सामायिक, साधक संयमी आत्मा को मोहत में ले जाने का प्रथम एवं अंतिम पड़ाव है। साध्वीश्री ने कहा कि व्यक्ति को सारहीन, निरर्थक वचन नहीं बोलना चाहिए, गुस्सा आने पर मौन धारण कर लेना चाहिए।

कभी किसी का, असहाय का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। गलती होने पर माफी मांगकर, नम्रता से बात करना ये प्रभावी वाणी प्राप्त करने के तीन सूत्र है।

सामायिक दिवस के लाभार्थी सुरेशचंद पवन छल्लानी परिवार का हनुमंतनगर संघ की ओर से सम्मान किया गया। अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। मंत्री सुरेशकुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि बुधवार को रक्षाबंधन का पर्व सामूहिक रूप से मनाया जाएगा।

संतों की वाणी सुनकर जो संभल जाएगा, वही ऊपर उठेगा : साध्वी धैर्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धैर्याश्रीजी ने कहा कि बौद्धिक स्तर पर हम अलग अलग कक्षाओं में पढ़ते है, पर हम आध्यात्मिक क्षेत्र में कौन सी कक्षा में हैं, हम कौन से गुणस्थान में है। वांच्छित गुणस्थान में चढ़ने के लिए कितना समय लगेगा इस पर गहराई से चिंतन करना होगा। सदाचार जीवन का श्रृंगार है। अनाचार धधकता अंगारा है। व्यक्ति का पैसा गया तो कुछ नहीं, पर स्वास्थ्य गया तो सब कुछ गया। साध्वीश्री ने कहा कि एक कमजोर कड़ी पूरी जंजीर को खतरे में डाल सकती है। वैसे ही आध्यात्मिक क्षेत्र में आत्मा को ऊपर से नीचे गिरा देती है। संतों की वाणी सुनकर जो संभल जाएगा वही ऊपर उठेगा। जो जीव धरती पर अवतरित होता है, जीवन को जीता है। उसे जीवन को चलाने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। पेट्रोल के बिना गाड़ी नहीं चलती, उसी प्रकार भोजन के बिना शरीर नहीं चलता। एक व्यक्ति प्रसिद्धि के लिए अधिक धनवान बनने के लिए अनाज संग्रह करता है, भाव आयेंगे तब गोदाम से बाहर निकलूंगा और जो दूसरा है वह दाने दाने के लिए तरसता है। गरीब व्यक्ति भूख लगने पर अन्न को ढूंढता है। जबकि अमीर व्यक्ति भूख को ढूंढते हैं। संचालन गौतम नाहर ने किया।

मासक्षमण तप के तपस्वी का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा मासक्षमण के तपस्वी दीपक छाजेड़ का सम्मान किया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि दीपक छाजेड़ को दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिरश्री मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी, साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी आदि ने मांगलिक प्रदान किया।

इस मौके पर मलयप्रभसागरजी ने इस अवसर पर कहा कि पूर्व संचित पुण्य का उदय होने से ही इतनी दीर्घ तपस्या हो पाती है। साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि तपस्या ही आत्मा का आहार है और इससे ही निकाचित कर्मों की निर्जरा होती है। इस अवसर पर तपस्वी को पारणे के अवसर पर मंडल के उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, रमेश गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा सहित खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भन्साली, महामंत्री राजेंद्र गुलेच्छा अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पार्श्व भैरव धाम में श्रावणी पूर्णिमा पर बही भक्ति की रसधारा

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। शहर के जाजूर स्थित दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ मध्ये निर्माणाधीन पार्श्व भैरव धाम में श्रावण पूनम मेले पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही कुंभ स्थापना के पश्चात आयोजित राखी पूनम का आयोजन किया गया। बेंगलूरु के हुक्मीचंद नितेशकुमार राठोड परिवार के सौजन्य से रेल यात्रा द्वारा संघ का आयोजन किया गया। तुषार गुरुजी द्वारा बड़ी पूजा पढ़ाई गई। संगीतकार दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा एवं कुमारपाल कवाड ने भजनों की प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के राकेश सालेचा के संयोजन में मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में चेन्नई, बेंगलूरु से विभिन्न पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com